चैत्र शुक्ल पक्ष सप्तमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 277 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 अप्रैल 2025
शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
36 अधिकतम
20 न्यूनतम

इंटरनेशनल दबाव में घिरे यूनुस, बैंकॉक में अहम शिखर वार्ता

शेख हसीना, चिकन नेक व चीन से पींगों के बीच बांग्लादेश की रिक्वेस्ट, मोदी से पहली मुलाकात

बैंकॉक/नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के बीच आज 'पहली' मुलाकात हुई है। पहले संभावना जताई गई थी यह मुलाकात नहीं हो सकती है, लेकिन बांग्लादेश ने बार-बार इस द्विपक्षीय बैठक के लिए आग्रह किया और अंतत- दोनों के बीच आज चर्चा हुई। रिपोर्ट व अनुमानों के मुताबिक इस दौरान दोनों नेताओं के बीच शेख हसीना, चिकन नेक, चीन से दोस्?ती को लेकर बातचीत का विषय रहा है। खास यह कि दोनों नेताओं की मुलाकात उस वक्त हुई है जब बांग्लादेश और भारत के बीच के संबंध तनावपूर्ण हो चुके हैं। यूनुस ने हाल ही में चीन का दौरा किया था, जहां बीजिंग में उन्होंने बांग्लादेश को 'समंदर का गार्जियन' बताया था। जिसका जवाब देते हुए भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि बंगाल की खाड़ी में सबसे ज्यादा तटरेखा भारत की है। इसी के बाद अब बिम्सटेक सम्मेलन में भाग लेने के लिए बैंकॉक पहुंचे पीएम मोदी व यूनूस मिले हैं।

खुद बांग्लादेश के लिये मोदी से चर्चा कितनी अहम है इसका अंदाज युनूस की तरफ से की गई रिक्वेस्ट से पता चलता है। यूनुस पर इस समय ना केवल इंटरनेशल दवाब है बल्कि देश के अंदर से भी उनके खिलाफ आवाज उठनी शुरू हो गई हैं. लोग यहां जल्दी चुनाव की मांग कर रहे हैं। इससे पहले बीती रात शिखर सम्मेलन से पहले आयोजित आधिकारिक रात्रिभोज में प्रधानमंत्री मोदी और यूनुस को साथ बैठे देखा गया था। दरअसल, बांग्लादेश में हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने और वहां अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों में गिरावट आई है। इसके अलावा, कुछ हलकों में यह सवाल भी उठाया गया है कि बांग्लादेश के प्रशासन पर यूनुस का कितना नियंत्रण है। युनुस के पूर्वोत्तर क्षेत्र को लेकर दिये बयान भी भारत के लिए असहज करने वाले रहे हैं। मोदी ने 26 मार्च को बांग्लादेश के राष्ट्रीय दिवस पर यूनुस को पत्र लिखकर कहा था कि भारत ढाका के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

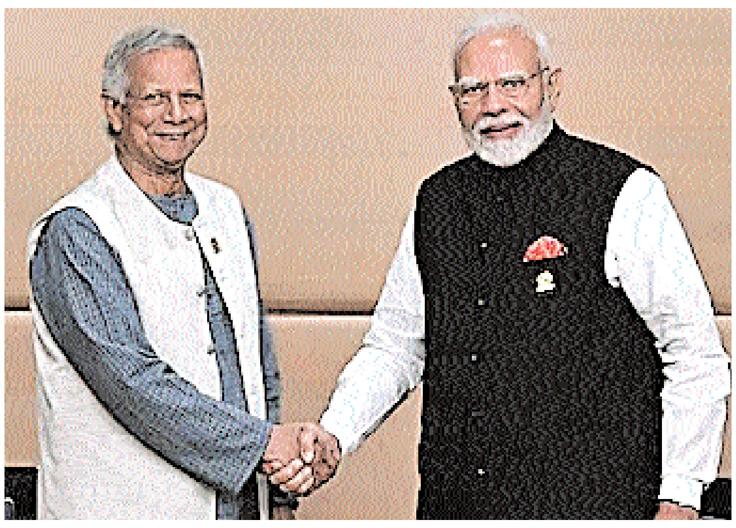

इधर, वक्फ पर अब भी रार, कांग्रेस का भी कोर्ट जाने का इरादा

वक्फ संशोधन विधेयक करीब बारह घंटे की बहस के बाद तड़के राज्यसभा में पारित तो हो गया है लेकिन इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी होने लगी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बाद अब आज कांग्रेस ने कहा कि वह संसद में पारित वक्फ विधेयक की संवैधानिकता को बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। इसे पहले लोकसभा ने भी मंजूरी दे दी थी। तभी स्टालिन ने अदालत का दरवाजा खटखटाने का एलान कर दिया था। लोकसभा से विधेयक पारित होने के विरोध में स्टालिन विधानसभा में काली पट्टी बांधकर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि भारत में बड़ी संख्या में दलों के विरोध के बावजूद कुछ सहयोगियों के इशारे पर रात दो बजे संशोधन को अपनाना संविधान की संरचना पर हमला है।

कई कानूनों पर हो रही सुनवाई: इधर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि सीएए, 2019 को कांग्रेस की ओर से चुनौती दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। आरटीआई अधिनियम, 2005 में 2019 के संशोधनों को लेकर भी कांग्रेस की चुनौती पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। चुनाव संचालन नियम (2024) में संशोधनों की वैधता को लेकर कांग्रेस की चुनौती पर भी सुनवाई जारी है। ऐसे ही पूजा स्थल अधिनियम, 1991 की मूल भावना को बनाए रखने के लिए कांग्रेस के हस्तक्षेप पर सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित है।

वक्फ विधेयक से अवैध कब्जों पर लगेगी लगाम, गरीबों के हितों की होगी रक्षा : यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 'वक्फ (संशोधन) बिल 2025' को संसद के दोनों सदनों में बहुमत से पारित होने पर देशवासियों को बधाई देते हुए आज कहा कि इससे न केवल वक्फ संपत्तियों में होने वाली वित्तीय गड़बड़ियों और अवैध कब्जों पर लगाम लगेगी, बल्कि गरीब मुस्लिमों के हितों की भी रक्षा होगी। डॉ यादव ने अपने बयान में कहा कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के कुशल प्रबंधन, पारदर्शिता और सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा। साथ ही इस बिल से गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के हितों की रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाएं निरंतर सशक्त हो रही हैं, इस दिशा में यह विधेयक मुस्लिम महिलाओं को और अधिक सशक्त करेगा और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त होगा। यह विधेयक निश्चित ही डिजिटलीकरण को बढ़ावा देकर वक्फ संपत्तियों में होने वाली वित्तीय गड़बड़ियों और अवैध कब्जों पर लगाम लगाकर राज्यों के वक्फ बोर्ड के राजस्व में वृद्धि करेगा।

मप्र: अब पांच दिन गर्मी, 8 अप्रैल से फिर बादल-बारिश

भोपाल। चार पांच दिन से बादल बरसात आंधी के बाद अब मध्यप्रदेश में अगले 5 दिन तक तेज गर्मी पड सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में पारा 2 से 5 डिग्री तक बढ़ेगा, जबकि जबलपुर, चंबल, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल, सागर संभाग में भी गर्मी बढ़ेगी। इससे पहले कल भोपाल समेत प्रदेश के कई जिलों में ओले, बारिश और तेज हवा का असर रहा। भोपाल में आज सुबह भी हवा अपेक्षाकृत ठडी थी। अब मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन ने चार दिन से मौसम बदल रखा था। यह सिस्टम अब कमजोर पड़ रहा है। लिहाजा आज बारिश का अलर्ट नहीं है।

अमेरिका में पढ़ रहे छात्रों का वीजा रद्द

वाशिंगटन. अमेरिका में पढ़ने वाले सैकड़ों विदेशी छात्रों को उनका एफ-1 वीजा यानी स्टूडेंट वीजा रद्द होने का अचानक ईमेल मिला है। यह मेल अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से भेजा है। यह ई-मेल उन छात्रों को भेजा गया है, जो कैंपस एक्टिविज्म यानी कैंपस में होने वाले प्रदर्शनों में शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन छात्रों को भी ऐसे मेल भेजे गए हैं, जो भले ही कैंपस एक्टिविज्म में शामिल नहीं थे, लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया पर 'इजराइल विरोधी' पोस्ट को शेयर, लाइक या फिर कमेंट किया।मेल में कहा गया है कि छात्रों के एफ-1 वीजा रद्द कर दिए गए हैं। छात्रों से खुद को डिपोर्ट करने यानी अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया है।

बाजार पर ट्रंप टैरिफ का साइड इफेक्ट, सेंसेक्स 800 अंक टूटा

अमेरिका व एशियाई बाजार में कोहराम

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज भी जमकर गिरावट का दौर है और कल से कुछ ज्यादा ही है। आज सेंसेक्स 800 अंक की गिरावट के साथ 75,500 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 300 अंक की गिरावट है, ये 23,000 से नीचे आ गया है। फार्मा, हेल्थकेयर और मेटल इंडेक्स करीब 4 फीसदी गिरे हैं। ऑटो, आईटी और रियल्टी इंडेक्स में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट है। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फार्मा सेक्टर पर अलग कैटेगरी के तहत टैरिफ लगाने के बयान के बाद इस सेक्टर के शेयरों में बिकवाली है। ट्रम्प ने कहा, मुझे लगता है कि फार्मा में टैरिफ उस स्तर पर आने वाला है, जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। हम अभी फार्मा पर विचार कर रहे हैं। यह एक अलग कैटेगरी है, और हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। हालांकि खुद अमेरिका बाजार ही 6 फीसदी तक गिर गया है और वहां जबर्दस्त हड़कंप है। एपल व नाइकी के शेयर ही 15 फीसदी तक टूट गये हैं।

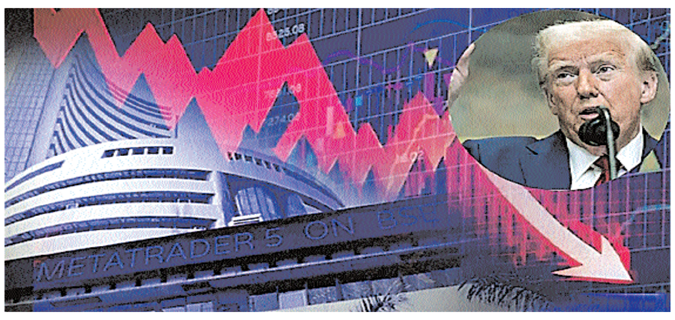

गिरावट के तीन कारण

- **ट्रम्प का रेसिप्रोकल टैरिफ :** अमेरिका ने भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान कल किया था।
- **विदेशी निवेशकों की बिकवाली :** फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स लगातार भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। इससे बाजार में दबाव बढ़ा है।
- **आर्थिक अनिश्चितता:** अब वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका और अमेरिकी जीडीपी के पहली तिमाही में 2.8व तक गिरने के अनुमान से निवेशकों सहमे।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने ट्रंप के टैरिफ पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि उनका यह कदम अमेरिका के लिए आत्मघाती होगा और उनकी बाद सही साबित हो रही है।

पीएम मोदी दो महीने में दूसरी बार मप्र आएंगे

अशोकनगर के आनंदपुर धाम में कार्यक्रम, सीएम आज देखेंगे व्यवस्थाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दो महीने के भीतर पीएम नरेन्द्र मोदी दूसरी बार मप्र आ रहे हैं। इस बार वह अशोक नगर के आनंदपुर धाम आने वाले हैं। यह दौरा 11 अप्रैल को प्रस्तावित है। उनके दौरे को देखते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार को दतिया से होते हुए आनंदपुर धाम जाएंगे और तैयारियों का जायजा लेंगे। उल्लेखनीय है कि आनंदपुर धाम भक्ति और अध्यात्म का एक प्रमुख केंद्र है। केंद्र से जुड़े लोगों का कहना है कि यहां आध्यात्मिक ज्ञान और शांति का अद्भुत अहसास होता है। यहां ट्रस्ट के जरिए अलग-अलग क्षेत्रों में सेवा कार्य किए जा रहे हैं। यह अशोकनगर की ईसागढ़ तहसील में स्थित है जो जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर पड़ता है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 24 फरवरी को भोपाल के मानव सग्रहालय में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का शुभारंभ करने आए थे। वे छतरपुर में बागेश्वर धाम भी गये थे।

गाजा में स्कूल पर इजरायली हमले में 29 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी

गाजा शहर के पूर्व में स्थित आश्रय स्थल दार अल-अरकम स्कूल पर इज़रायली हमले में कम से कम 29 फिलस्तीनी मारे गए और 100 से ज़्यादा लोग घायल हो गए है। हमास द्वारा संचालित गाजा मीडिया कार्यालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कार्यालय ने बताया कि मृतकों में 18 बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं। इस बीच गाजा के नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि स्कूल लगातार इज़रायली बमबारी से बचने के लिए विस्थापित परिवारों को शरण दे रहा था। उन्होंने बताया कि आपातकालीन टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और मलबे से शवों को निकाला और घायलों का इलाज किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इज़रायली सेना ने स्कूल पर तीन मिसाइलों से हमला किया। स्थानीय निवासी मोहम्मद अला ने कहा, विस्फोट बहुत बड़ा था। कई लोग मारे गए और अन्य अभी भी मलबे के नीचे फंसे हुए हैं।

एक दिन सबको जाना है... कहने वाले कथावाचक का निधन

राजगढ़. मप्र के ब्यावरा में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां राधाकृष्ण मंदिर में शिवमहापुराण कथा के दौरान इंदौर से आए कथावाचक पंडित राकेश व्यास की उनके ही कथन के अगले दिन साइलेंट हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। मान्यता है कि व्यास गद्दी से कही गई बात ईश्वर की वाणी होती है और वह सिद्ध हो जाती है। कथा सुनाते हुए पंडित व्यास ने श्रोताओं से भावपूर्ण अंदाज में कहा था, भगवान के यहां से कभी भी बुलावा आ सकता है, एक दिन सभी को जाना ही है। उन्होंने शिवमहापुराण में भाव भरे प्रसंग में कहा था, जिंदगी रंज-ओ-गम का मेला है। कल मैं रहूं या न रहूं, तुम रहो या न रहो, कथा का श्रवण कर लीजिए. राजा हो, रंक हो या फकीर, सभी को एक दिन जाना है। अगली सुबह उनके शब्द सच साबित हो गए।

मेट्रो एंकर

भारत कुमार के नाम से विख्यात अभिनेता मनोज कुमार का 88 वर्ष की आयु में निधन

रोशनी के एक कतरे से बदल दी उस युवक की दुनिया...!

मुंबई, एजेंसी

फिल्म स्टूडियो में शूटिंग संबंधी उपकरण उठाने वाले युवा पर कैमरे के ठीक सामने लाइट इस तरह पडी कि चमकते चेहरे पर निदेशक मुग्ध हो गया और उसने युवक को फिल्म में रोल दे दिया, यही रोल युवक ने इस शिद्दत से निभाया कि उसके हीरो बनने के रास्ते खुल गए और कालांतर में वह भारतीय फिल्मों का भारत कुमार कहलाया। यह कहानी मनोज कुमार के शुरूआती दिनों की है। आज सुबह उन्होंने मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में आखिरी सांस ली, वे 88 वर्ष के थे और स्वास्थ्य संबंधी समस्या से काफी समय से जूझ रहे थे। उनकी उपकार, पूरब-पश्चिम, क्रांति, रोटी-कपड़ा और मकान उनकी बेहद कामयाब फिल्में रहीं। मनोज के बेटे कुणाल गोस्वामी ने बताया- उन्हें लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां थीं। यह भगवान की कृपा है कि उन्हें आखिरी समय में ज्यादा परेशानी नहीं हुई, शांतिपूर्वक उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनका अंतिम संस्कार कल 5 अप्रैल को होगा।

बताया जाता है कि मनोज कुमार काफी समय से लिवर सिरोसिस से जूझ रहे थे। उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें 21 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें 7 फिल्म फेयर पुरस्कार मिले थे। पहला फिल्म फेयर 1968 में फिल्म उपकार के लिए मिला था। 1992 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 2016 में उन्हें दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से भी नवाजा गया। उल्लेखनीय है कि मनोज कुमार का जन्म अविभाजित भारत के एबटाबाद (अब पाकिस्तान) में हुआ था। बाद में उनका परिवार दिल्ली आ गया और यहीं से मनोज कुमार ने पढाई पूरी की और काम की तलाश में मुंबई आ गये।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनोज कुमार को श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पर लिखा- महान अभिनेता और फिल्म निर्माता मनोज कुमारजी के निधन से बहुत दुख हुआ। वह भारतीय सिनेमा के प्रतीक थे, जिन्हें विशेष रूप से उनकी देशभक्ति के उत्साह के लिए याद किया जाता था, जो उनकी फिल्मों में भी झलकता था।

इस तरह शुरू हुआ नया सफर

एक दिन मनोज कुमार काम की तलाश में फिल्म स्टूडियो में टहल रहे थे कि उन्हें एक व्यक्ति दिखा। मनोज ने बताया कि वो काम की तलाश कर रहे हैं, तो वो आदमी उन्हें साथ ले गया। उन्हें लाइट और फिल्म शूटिंग में लगने वाले दूसरे सामानों को ढोने का काम मिला। धीरे-धीरे मनोज के काम से खुश होकर उन्हें स्टूडियो सहायक के रूप में काम दिया जाने लगा। जब सेट पर बड़े कलाकार अपना शॉट शुरू होने से बस चंद मिनट पहले पहुंचते थे। ऐसे में सेट में हीरो पर पड़ने वाली लाइट चेक करने के लिए मनोज कुमार को हीरो की जगह खड़ा कर दिया जाता था। एक दिन जब लाइट टेस्टिंग के लिए मनोज हीरो की जगह खड़े थे तो लाइट पड़ने पर उनका चेहरा कैमरे में इतना आकर्षक लग रहा था कि एक डायरेक्टर ने उन्हें 1957 में आई फिल्म फैशन में एक छोटा सा रोल दे दिया। मनोज कुछ मिनट की एक्टिंग में अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे। उसी रोल की बदौलत मनोज कुमार को फिल्म कांच की गुड़िया (1960) में लीड रोल दिया गया। पहली कामयाब फिल्म देने के बाद मनोज ने बैक-टु-बैक रेशमी रुमाल, चांद, बनारसी ठग, गृहस्थी, अपने हुए पराए, वो कौन थी जैसी कई फिल्में दीं।

विराट श्री मानव सेवा संस्था ने भव्य चुनरी यात्रा निकाली

नवरात्र पर विराट श्री मानव सेवा संस्था ने संतनगर में भव्य चुनरी यात्रा निकाली, जिसमें विधायक रामेश्वर शर्मा शामिल हुए। इसके साथ ही बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। चुनरी यात्रा संतनगर के संकट मोचन हनुमान मंदिर, बेहटा गांव से शुरू हुई। विराट श्री मानव सेवा संस्था द्वारा आयोजित इस यात्रा में, महिलाओं ने माता के भजन गाते हुए चुनरी लेकर मुख्य मार्गों से गुजरी, जहां उनका जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, शेट्टी चनानी, कमल विधानी, लवीन मनसुखानी, रामू केवट, प्रदीप मेवाड़ा, शुभम केवट, मोर्कल बंटी, संतोष रजक भाऊ, दीपक मेहरा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। यह चुनरी यात्रा का समापन विसर्जन घाट स्थित माता मंदिर पर हुआ।

भोपाल। भोपाल के कोलार रोड से चुनरी यात्रा।

शहर की 8 बावड़ियां खराब स्थिति में, 3 पर कब्जा, गर्मी में ठंडक के लिए होता है उपयोग

राजाभोज के जमाने की 14 बावड़ियां बनेंगी हेरिटेज जोन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजाभोज के जमाने में तैयार जर्जर हो चुकी शहर की मुख्य बावड़ियों में दोबारा जान फूंकने की कोशिशें तेज हो गई हैं। नगर निगम भोपाल ने स्मार्ट सिटी कंपनी के साथ मिलकर शहर में ऐसी 14 प्राचीन बावड़ियों की सूची तैयार की है। जिन्हें पुर्नद्धार के लिए काम शुरू किया जाना है। अभी इन स्थलों पर आर्कियोलॉजी विभाग का दखल है। शासन इन कब्जे वाली पुरानी बावड़ियों को मेंटनेंस और इस्तेमाल के लिए नगर निगम को सौंपने की तैयारी में है। शासन की मंशा प्रदेश की राजधानी को बावड़ियों के रूप में चौथा जलस्रोत प्रदान करने की है। फिलहाल शहर में नर्मदा नदी, बड़ा तालाब, कोलार, केरवा, कलियासोत डैम के जरिए पानी प्रतिदिन सप्लाई करने की क्षमता विकसित कर ली गई है।

बजट में पांच करोड़ रुपए का प्रावधान: नगर निगम बजट में बावड़ियों के उन्नयन के लिए प्रति बावड़ी 5 करोड़ का फंड आरक्षित किया गया है। बीते साल आधा दर्जन बावड़ियों को विकसित करने की कोशिश भी की गई थी लेकिन फंड की कमी के चलते काम रोकना पड़ा था। इस मामले में निगम हर बावड़ी के लिए अलग से एक्शन प्लान तैयार कर शासन से विशेष फंड मांगने की तैयारी में है। वहीं बताया गया कि बावड़ियों के रेनोवशन के लिए प्लान बनाया जा रहा है। इसके जरिए शहर को शहर को वेकल्पिक वाटर सप्लाई सोर्स मिल सकता है।

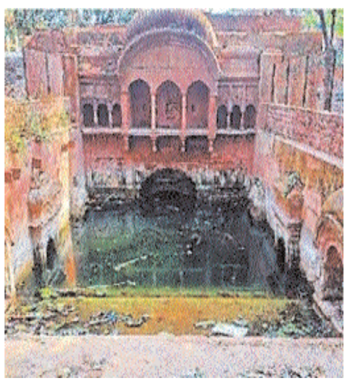

इन बावड़ियों पर होगा काम

- बड़ा बाग भोपाल टॉकीज
- ऐशबाग स्टेडियम बावड़ी
- सिकंदरजहां बैगम बैरसिया रोड
- पीजीवीटी कॉलेज के पास
- जेलबाग तालाब की बावड़ी
- बाफना कालोनी बावड़ी
- द्वारिका नगर चांदबाग
- बाग महामाई बावड़ी
- नवीन नगर बावड़ी
- बाग भरहत अफ्जा बावड़ी
- सुभाष नगर शक्ति मंदिर बावड़ी
- उमराव दुल्हा बावड़ी
- इंद्रानगर जैन मंदिर बावड़ी
- अशोका गार्डन मंशा देवी मंदिर बावड़ी

इतिहास बन गई गणगौर वाली बावड़ी, मलबे से पाट दिया

शहर में नवाबी शासन काल से चले आ रहे कई त्यौहार और मेलों का स्वरूप बदल गया तो कहीं परंपराएं लुप्त हो गयी। महिलाओं के द्वारा अपने पति की लंबी आयु और कुंवारी कन्याओं को इच्छित वर प्राप्ति के लिए शहर में गणगौर का मेला बड़े धूमधाम के साथ काजीकेप स्थित बाबड़ी पर भराता था। गणगौर का विसर्जन यहां होता था। उसके साथ ही पूरे परिसर में मेला लगता था। श्रावण मास की तीज को प्रारंभ होने वाला यह त्योहार चेत्र मास की तीज को गणगौर विसर्जन के साथ चार महीने में विराम होता है। इसके साथ ही शहर में स्वर्णकार समाज, माहेश्वरी समाज, मालवीय समाज, मोढ़ समाज आदि की ओर से सिर पर गणगौर रखकर चल समारोह अलग-अलग निकाले जाते थे। आज इस बाबड़ी पर अतिक्रमण हो होने व देखरेख के अभाव जल भराव वाला हिस्सा मलवे और कचरे से खत्म हो चुका है,लेकिन चार मंजिला ऊंची बाबड़ी की इमारत आज भी इसकी भव्यता की कहानी बयां करती है। इसे संरक्षित किया जाएं।

बावड़ी राधा रानी के नाम से जानी जाती थी : नवाबी शासन काल में नवाब साहब की मजलिस के मेंबर रहे स्वर्गीय नारायण दास अग्रवाल के नाम से काजी कैंप स्थित बावड़ी में मोढ़ समाज, स्वर्णकार समाज, माहेश्वरी समाज आदि की महिलाएं सोलह श्रृंगार कर बैंड बाजों के साथ भव्य जुलूस के रूप में निकल कर गणगौर की बावड़ी पहुंचती थी। जहां एक भव्य मेले का स्वरूप हो जाता था। अब भी यह बावड़ी राधा रानी अग्रवाल के नाम से है, लेकिन देख-रेख के अभाव में यह कचरे से भर गयी है। गणगौर के दो दिन पहले से गोंद के पापड़ बाजार और मेले में बिकने आते थे, जो वर्ष में सिर्फ एक बार ही बनते थे लेकिन पिछले दस पंद्रह वर्षों से इनका बनना भी बंद हो गया अत्यंत स्वस्थ वर्धक उक्त पापड़ को वर्ष में एक बार ही खाया जाता है।

जल एवं प्रकृति को संरक्षित करना हम सबका दायित्व- सुनीत अग्रवाल

एलएनसीटी विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सह विधिक जागरुकता शिविर का हुआ आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में कोलार रोड स्थित एलएनसीटी विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुनीत अग्रवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बी.एम. सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी एवं महाविद्यालय की विधि विभाग प्रमुख अनुष्का नायक ने मां सरस्वती की मूर्ति पर हार-फूल अर्पित कर किया। कार्यक्रम में प्राधिकरण सचिव सुनीत अग्रवाल ने सभागार में उपस्थित विधि के विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के शिक्षाविदों एवं स्टॉफ को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना हम सभी का कर्तव्य है, यदि हम स्वस्थ हैं तो स्वस्थ समाज एवं स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं, हमें इस आधुनिक भागदौड़ की जीवनशैली में जरूरत है पौष्टिक आहार एवं नियमित व्यायाम की। साथ ही जल एवं प्रकृति को संरक्षित करना हम सबका दायित्व है, यदि हम प्रकृति को संरक्षित रखते हैं तो हमें स्वस्थ जल, वायु और आहार मिलेगा यदि प्रकृति ही प्रदूषित रहेगी तो उसका दुष्प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर अवश्य पड़ेगा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विधि विभाग के समस्त स्टॉफ सहित लगभग 200 विधि विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कानून की थोड़ी बहुत समझ सभी को होनी चाहिए, ताकि हितों की रक्षा कर सकें

कानूनी जानकारी देते हुए लोक अदालत योजना, मध्यस्थता योजना, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, निःशुल्क विधिक सहायता योजना, विधिक सलाह एवं साक्षरता योजना एवं प्राधिकरण की विभिन्न स्कीमों की जानकारी देते हुए बताया कि कानून की थोड़ी बहुत समझ सभी को होनी चाहिए जिससे हम अपने हितों की रक्षा कर सकें। यदि आपके आस-पास कोई भी ऐसा व्यक्ति है जिसे विधिक परामर्श या सहायात की आवश्यकता है तो उसे विधिक सेवा प्राधिकरण में संपर्क करने के लिए कहें या हमारे टोल फ्री हेल्पलाईन नंबर 15100 पर कॉल करने के लिए बताएं उनकी विधिक समस्याओं हेतु निःशुल्क परामर्श एवं नियमानुसार निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की जावेगी।

भाजपा स्थापना दिवस: कार्यकर्ताओं को बंसल ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भाजपा संतनगर मंडल की बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्थापना दिवस समेत आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राम बंसल ने कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बताया। बैठक में 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस और 14 अप्रैल को संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन कानून के पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया गया। उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह कानून गरीब अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील वासवानी, जिला उपाध्यक्ष राहुल राजपूत, जिला मंत्री प्रवीण प्रेमचंदानी, रमेश जनयानी, पूर्व पार्षद माखन सिंह राजपूत, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी, पूर्व मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, जिला महामंत्री सूरज यादव, बबलू चावला, विकास मारन, शेट्टी चंदनानी, रामनारायण मांझी उमेश नगर, नरेंद्र विष्ठ, महिला मोर्चा की अध्यक्ष भारती मूलचंदानी, लीला राजपूत, सीमा लालवानी, शिव मिश्रा, ललित रायचंदानी, कैलाश दादलानी, पुरुषोत्तम गिदवानी सहित कई बूथ अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक के बाद पार्टी कार्यकर्ता और बूथ अध्यक्ष रहे अशोक पारवानी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

8 कांग्रेस नेताओं पर पुतला दहन का केस दर्ज

भोपाल। लोकायुक्त व ईडी की छापेमारी में फंसे पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके साथियों की जमानत के बाद सौरभ को सरकारी संरक्षण का आरोप कांग्रेस नेताओं को महंगा पडा है। पुलिस ने सीएम का पुतला जलाने के मामले में कार्यकारी जिला अध्यक्ष राहुल राठौर समेत आठ कांग्रेस नेताओं पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। यह पुतलादहन पीसीसी के सामने हुआ था। हबीबगंज, पुलिस ने धारा 223,3 (5) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। यह मामला राहुल सिंह राठौड़, शावर खान, अभिषेक शर्मा,प्रदीप अहिरवार, दीपू तोमर, मुजाहिद सिद्दीकी सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओ पर दर्ज किया गया है। राठौड़ ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओ पर प्रकरण दर्ज करना भाजपा सरकार की तानाशाही है।

एसएचआईएम-सीआईआई के बीच हुआ समझौता

छात्राओं को उद्योग और शिक्षा जगत से जुड़ने के अवसरों के बारे में जानकारी दी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट फॉर वुमेन (एसएचआईएम) और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) यंग इंडियंस ने छात्राओं को बेहतर शिक्षा और कॅरियर के अवसर प्रदान करने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षर समारोह में यंग इंडियंस भोपाल की चेयरपर्सन श्रद्धा सुहाने और एसएचआईएम के निदेशक डॉ. आशीष ठाकुर ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी के तहत, छात्राओं के लिए कई गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव मिलेगा और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी। हाल ही में, एसएचआईएम परिसर में एक अभिविन्यास सत्र आयोजित किया गया, जहाँ यंग इंडियंस सदस्यों ने छात्राओं को उद्योग और शिक्षा जगत से जुड़ने के अवसरों के बारे में जानकारी दी। यह सत्र छात्राओं को वास्तविक दुनिया का अनुभव प्रदान करने और उनके करियर को सही दिशा में मार्गदर्शन करने में मदद करेगा।

मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा: एसएचआईएम के निदेशक डॉ. आशीष ठाकुर ने कहा कि यह साझेदारी संस्थान के मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और छात्राओं को अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए एक शानदार अवसर प्रदान करेगी। श्रद्धा सुहाने और हीरो ज्ञानचंदानी ने भी इसे छात्राओं के लिए एक उत्कृष्ट अवसर बताया। यंग इंडियंस भोपाल टीम ने संस्थान और नोडल अधिकारी डॉ. हर्षा मिश्रा के प्रयासों की सराहना की। यह समझौता छात्राओं को नए कौशल हासिल करने, उद्योग से जुड़ने और एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने में मदद करेगा।

भजन गायक सुनील सत्संगी ने भगवान झूलेलाल के भजनों की प्रस्तुति दी

विजय नगर सिंधी उत्थान पंचायत ने भजन संध्या का आयोजन किया

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

विजयनगर सिंधी उत्थान पंचायत ने महामृत्युंजय मंदिर के पास एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें भजन संध्या, नृत्य और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में भजन गायक सुनील सत्संगी और उनकी टीम ने भगवान झूलेलाल के भजनों की प्रस्तुति दी। उनके मधुर और भक्तिमय भजनों से माहौल श्रद्धा और भक्ति से भर गया। महिलाओं, बहनों और भाइयों ने उत्साहपूर्वक भजनों पर नृत्य किया। इस धार्मिक कार्यक्रम में लगभग 1000 श्रद्धालुओं ने आम भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस भव्य आयोजन की सफलता में संरक्षक रमेश भंभानी, मुख्य सलाहकार हीरानंद गनवानी, अध्यक्ष कैलाश शर्मा, महासचिव अशोक टिलवानी, उपाध्यक्ष अशोक सोभानी, कमल बच्चानी, वासुदेव जेठानी, किशन मुरझानी, हितेश नरयानी, ओ.पी. पोहानी, कैलाश आसवानी और अन्य पदाधिकारियों ने विशेष योगदान दिया।

सीएम ने स्कूल शिक्षा विभाग के कामों की समीक्षा में दिए निर्देश

दो माह में सुधारें जर्जर सरकारी स्कूल, नहीं तो गिरेगी गाज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अफसरों को दो महीने के भीतर जर्जर सरकारी स्कूलों की हालत सुधारनी होगी। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। प्रदेश में हजारों स्कूलों के भवन जर्जर है, कुछ के पास तो अभी भी भवन नहीं है, यह स्थिति राजधानी मुख्यालय से अंतिम छोर पर है। खासकर आदिवासी बाहुल्य विकासखंडों के कुछ गांवों में ये हाल है।

ऐसे सभी स्कूलों के भवनों को बारिश पूर्व ठीक कराना होगा, जिनके पास भवन नहीं है, वहां भवन का निर्माण भी कराना होगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार अफसरों को इसके निर्देश दिए है। वह स्कूल शिक्षा विभाग के कामों की समीक्षा कर रहे थे।

सीएम ने यह भी कहा

- स्कूली बच्चों को अच्छा माहौल मिले, गर्मी में कूलर, पंखे और पीने के पानी का अच्छा इंतजाम हो।
- कन्या छात्रावासों में महिला कर्मियों व अधिकारियों की नियुक्ति हो। नई शिक्षा नीति-2020 का अक्षरशः पालन करें।
- 10वीं और 12वीं की बोर्ड कक्षाओं के परीक्षा परिणाम समय पर घोषित करें।
- सांदीपनी विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) जैसे क्रांतिकारी नवाचार किए गए हैं। सांदीपनि विद्यालय देश में एक आदर्श विद्यालय (मॉडल स्कूल) बनकर उभरें, इसकी तैयारियां और प्रयास किए जाएं।
- जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत कार्य में स्थानीय पूर्व सांसद और पूर्व विधायक, समाजसेवी संस्थाओं, पूर्व छात्रों एवं सीएसआर फंड से भी सहयोग लेने का सुझाव दिया। स्कूलों में आर्थिक या व्यवस्थागत सुधार में मदद करने वालों का सरकार सम्मान करेगी।
- प्राथमिक स्कूल स्तर से ही बच्चों को आदर्श पारिवारिक मूल्यों की नैतिक शिक्षा देने के लिए उचित प्रबंध करें, विद्या भारती, गायत्री परिवार और आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाओं को प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों से जोड़ें।
- वित्त विभाग, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, रोजगारपरक व्यावसायिक शिक्षा (कौशल विकास), जनजातीय कार्य, महिला एवं बाल विकास विभाग के मंत्रीगण की एक समिति बनाकर संयुक्त बैठक आयोजित करें, शैक्षिक सुधार की कार्य योजना बनाएं।
- शिक्षकों की स्थानांतरण प्रक्रिया में पूर्ण रूप से पारदर्शिता बरती जाए। लापरवाही करने वाले जिला शिक्षा अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। उज्जैन में शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक का रिक्त पद शीघ्र भरें। 1 अप्रैल से स्कूल खुल चुके हैं और एडमिशन पोर्टल पर अबतक 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन हुआ है।

मप्र सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन की ओर...

सीएम का दावा- पुरानी देनदारियां चुकाई कांग्रेस का सवाल- कैसे अदा की?

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने दावा किया कि सरकार ने पुरानी देनदारियां चुका दी है। ये 7 से 8 साल पुरानी देनदारियां थी। इस बयान के सामने आते ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा और पूछा कि ये देनदारियां कैसे और कब चुकाई, इसकी जानकारियां भी सार्वजनिक होनी चाहिए। इसके बाद सरकार की ओर से कोई बयान नहीं आया।

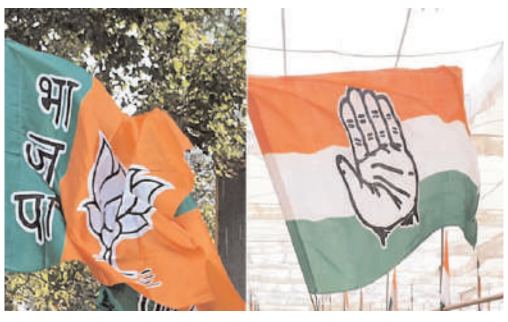

सीएम ने बताया, प्रदेश में उद्योगों को 5 हजार करोड़ रुपए दिए गए

सीएम डॉ. मोहन यादव ने बताया कि सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन की ओर बढ़ रही है। अब विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों और जन हितैषी कामों की दृष्टि से आगे बढ़ रहे हैं। एमएसएमई और हैवी इंडस्ट्रीज सहित सभी प्रकार की इकाइयों को गत एक वर्ष में लगभग 5 हजार 225 करोड़ रुपए की राशि देने का काम किया। कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर सभी केंद्रीय कोयला कंपनियों की देनदारियों का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया है। जेनरेशन कंपनी के चारों ताप विद्युत गृहों के कुशल प्रबंधन के फलस्वरूप अब तक का सर्वाधिक 11.73 लाख मैट्रिक टन कोयले का भंडारण किया गया है। ताप विद्युत गृहों में उपयोग के लिए कोयला भंडारण का अग्रिम भुगतान भी सरकार की ओर से किया जा चुका है, ताकि बिजली की कमी न पड़े।

सीएम ने कहा, उद्योग-व्यापार से लेकर खेलों तक राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन और नीति आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक विभाग में सुशासन के मूल भाव के साथ गतिविधियों की निगरानी जारी है। सरकार ने इस वर्ष बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, बावजूद इसके गत वर्ष की तुलना में बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई। सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के हित में लगभग 10-15 वर्ष तक पुराने भत्तों की राशि बढ़ाने का निर्णय लिया। वर्ष 2025-26 के बजट में राशि आवंटित की गई। 1500 करोड़ रुपए का व्यय भार आएगा, कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा।

गर्मी में वकीलों को 3 माह काले कोट से छूट

मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद ने जारी की अधिसूचना, 15 अप्रैल से लागू आदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

फाइल फोटो

प्रदेश के सभी जिलों में वकीलों को तीन महीने के लिए काले कोट से छूट दी गई है। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद ने इस संबंध में नई अधिसूचना जारी की है। जिसके अनुसार, सभी जिला अदालतों में वकील बिना काला कोट पहने पैरवी कर सकेंगे। मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के इस फैसले से प्रदेश के करीब एक लाख वकीलों को लाभ मिलेगा। जारी अधिसूचना के अनुसार, 15 अप्रैल 2025 से 15 जुलाई 2025 तक भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद यह राहत प्रदान की है। इस अवधि में वकील सफेद शर्ट के साथ काला, सफेद, धारीदार या ग्रे रंग का पैंट पहनकर और एडवोकेट बैंड लगाकर जिला अदालतों और उनके अधीनस्थ न्यायालयों में पैरवी कर सकेंगे। इससे गर्मी से परेशान वकीलों को काफी राहत मिलेगी।हालांकि, यह छूट केवल जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में लागू होगी, जबकि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में वकीलों को काले कोट में ही पैरवी करनी होगी। बता दें कि भोपाल जिले के 8 हजार 500 से अधिक वकील पंजीकृत हैं।

लेटलतीफी का शिकार हुई आरटीई प्रवेश की प्रक्रिया, विभाग अब भी मान्यता में ही उलझा

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा बीते साल फरवरी माह में शुरू कर दी गई थी आरटीई आवेदन प्रक्रिया

भोपाल। प्रदेश और केंद्र सरकार की योजनाएं अधिकारियों की लापरवाही के चलते लेटलतीफी का शिकार हो रही हैं। ऐसा ही हाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) का है। जहां एक ओर प्रदेश में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है, वहीं दूसरी ओर स्कूल शिक्षा विभाग अब तक आरटीई के तहत प्रवेश की प्रक्रिया शुरू नहीं करा सका है। नतीजन इस बार आरटीई के तहत प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को करीब एक माह का इंतजार करना पड़ सकता है। जबकि बीते साल राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा फरवरी के चौथे सप्ताह में आरटीई प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। बता दें कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत प्राइवेट स्कूलों में गरीब वर्ग के बच्चों को प्रवेश दिया जाता है। इसको लेकर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया रहेगी।

यह है पूरा मामला

प्रदेश के निजी स्कूलों की मान्यता को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किए गए बदलाव और लेटलतीफी के चलते आरटीई प्रवेश की प्रक्रिया उलझ गई है। दरअसल, निजी स्कूलों की मान्यता की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो स की है। स्कूल शिक्षा विभाग फिलहाल कई स्कूलों की मान्यता को लेकर की गई अपील पर सुनवाई कर उनका निराकरण करेगा। इन स्कूलों की संख्या में बढ़ भी सकती है। ऐसे में आरटीई की प्रक्रिया शुरू करने के लिए स्कूलों की सीटों को लेकर अब तक स्थिति साफ नहीं हो पाई है। नतीजन प्रवेश प्रक्रिया की समय-सारणी भी तैयार नहीं हो सकती है।

राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कारों की घोषणा

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने वर्ष-2023 के लिए राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कारों की घोषणा की है। इस साल 12 विक्रम, 11 एकलव्य, 3 विश्वामित्र और 1 लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिए जाएंगे। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी है। पुरस्कारों में व्यक्तिगत खेल श्रेणी में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (शूटिंग), जाह्नवी श्रीवास्तव (कयाकिंग-केनोइंग), रागिनी मार्को (तीरंदाजी), शिवानी पवार (कुश्ती), श्रुति यादव (बॉक्सिंग), यामिनी मौर्य (जूडो) को पुरस्कृत किया जाएगा।
दलीय खेल: सचिन भार्गो (खो-खो), नीलू डांडिया (हॉकी), प्रवीण कुमार दवे (सॉफ्टबॉल)। **दिव्यांग श्रेणी:** रूबिना फ्रांसिस (शूटिंग)। **अन्य खेल:** अपूर्व दुबे (पावर लिफ्टिंग), भावना डेहरिया (माउंट एवरेस्ट)। **एकलव्य पुरस्कार:** अंकित पाल, प्रभाकर राजावत, प्रखर जोशी, अर्जुन वास्कले, भूमि बघेल, प्रियांशी प्रजापत, गौरव पचौरी, ऋतुराज बुंदेला, कृष्ण मिश्रा, नेहा ठाकुर, पूजा डांगी, विश्वामित्र अवॉर्ड, अशोक कुमार यादव, लोकेंद्र शर्मा, पीयुष कांति बारोई के नाम शामिल हैं।

कर्मचारियों की आरजीपीवी प्रबंधन को चेतावनी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आरजीपीवी प्रशासन बादा खिलाफी कर रहा है मांगे मंजूर करने के बाद मांगों को कार्य परिषद में ना रखकर आंदोलनकारियो को नोटिस दे रहा है यह दमनकारी नीति कर्मचारी मंच बर्दाश्त नहीं करेगा यह बात मंच अध्यक्ष अशोक पांडे ने कही है। आज दोपहर सभा आयोजित करेगा तथा कुलपति से भेंट करके नोटिस निरस्त करने एवं मांगू को मंजूर करने की मांग करेगा। पांडे ने बताया है कि आरजीपीवी प्रशासन ने एक सप्ताह पूर्व बैठक आयोजित करके स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की तीन सूत्रीय मांगों को मंजूर करने का आश्वासन दिया था लेकिन कार्य परिषद की बैठक में मांगों को नहीं रखा मंजूरी नहीं दी तो विश्वविद्यालय के स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी ने भूख हड़ताल आंदोलन शुरू कर दी जिससे घबरा कर विश्वविद्यालय प्रशासन के कुल सचिव ने कर्मचारी मंच की विभागीय समिति के अध्यक्ष अमर अहिरे को सेवा समिति का नोटिस दिया है तथा 3 दिन में जवाब मांगा। विश्वविद्यालय प्रशासन दमनकारी नीति लागू कर रहा है जिसका विश्वविद्यालय के स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी जोरदार जवाब देंगे

मेट्रो एंकर | स्वदेश दर्शन 2.0 योजना

ओरछा को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर उभारने मिले 25 करोड़

फाइल फोटो

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र के ऐतिहासिक ओरछा को पर्यटन मानचित्र पर उभारने केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना 2.0 में 25 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृति की है। स्वीकृत राशि से ओरछा में टूरिस्ट एक्सपीरियंस सेंटर, हुनरशाला, एंट्री प्लाजा के साथ यात्रा पथ का विकास किया जाएगा। इसके पूर्व दिसंबर माह में विरासतों के संरक्षण और संग्रहालयों के विकास आदि के लिए 99.92 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए थे।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2027-28 में ओरछा को यूनेस्को विश्व धरोहर के रूप में मान्यता दिए जाने के लिए केंद्र सरकार ने यूनेस्को को सिफारिश की है। साथ ही ओरछा को यूनेस्को की एच.यू.एल. (हिस्टोरिकल अर्बन लैंडस्केप) पहल के तहत चुना गया है। प्रमुख सचिव पर्यटन -शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि पर्यटन मंत्रालय ने ÷स्वदेश दर्शन उप-योजना के तहत चेलेंज्ड बेस्ड डेस्?टिनेशन डेवलपमेंट पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में पर्यटन स्थलों का विकास करना है।

इस योजना के तहत, 50 स्थलों (प्रत्येक राज्य में अधिकतम 5) को विकास के लिए चुना जाना है। इसी के तहत ओरछा को आध्यात्मिक गंतव्य स्थल की श्रेणी में चुना गया है। इस राशि से अब टूरिज्म इंटरप्रिटेशन सेंटर को ओरछा में तोपची की हवेली के पास विकसित किया जाएगा। इसमें ओरछा का 3डी मॉडल, पैनल्स के माध्यम से ओरछा की ऐतिहासिक यात्रा का प्रदर्शन, बुकिंग कियोस्क, चिल्ड्रन प्ले एरिया और कैफे का निर्माण किया जाएगा। इसी तरह कारीगरों को द्वारा बनाए जाने वाले सुविनियर को उत्कृष्ट बनाने का प्रशिक्षण देकर हुनरशाला के रूप में बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। यात्रा पथ का भी सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

मैनिट की शोधार्थी रूपल राय को एमपी यंग साइंटिस्ट अवार्ड

उत्कृष्ट शोध कार्य और जीव विज्ञान के क्षेत्र में योगदान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल। उज्जैन में आयोजित 40वें एमपी यंग साइंटिस्ट कांग्रेस में मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भोपाल की शोधार्थी रूपल राय को एमपी यंग साइंटिस्ट अवार्ड (प्रथम पुरस्कार, लाइफ साइंसेज) से सम्मानित किया गया। रूपल राय बायोलॉजिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के मॉलिक्यूलर सिग्नलिंग लैब में डॉ. शिवेंद्र कुमार चौरसिया के निर्देशन में पीएचडी कर रही हैं। यह पुरस्कार मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एमपीसीएसटी) द्वारा उनके उत्कृष्ट शोध कार्य और जीव विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रदान दिया गया है।

संपादकीय

सरकारों का रवैया व मानवीय पक्ष

देशभर में बुलडोजर न्याय को लेकर पिछले काफी समय से कई सवाल हैं और खदबदाहट भी हैं। दरअसल अपराध पर नकेल कसने के लिए कथित अपराधियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने की परिपाटी चल रही हैं। यह सिलसिला उत्तर प्रदेश में शुरू हुआ था और अब इसे कई राज्य सरकारों ने हाथोंहाथ अपना लिया है। कहीं भी जब दो समुदायों के बीच कोई फसाद होता है, कोई बड़ी वारदात होती है, तो प्रशासन कुछ लोगों को चिह्नित कर उनके घर गिराने में देरी नहीं करता है। जब यह सिलसिला कई बार अतार्किक और मनमाने ढंग से तेजी पकड़ने लगा तो इस पर रोक लगाने के लिए अदालतों के दरवाजे खटखटाए जाने लगे थे। उल्लेखनीय है कि तब इस पर करीब पांच महीने पहले सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त निर्देश जारी करते हुए मकानों-दुकानों आदि के ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा था कि किसी के आरोपी या दोषी ठहरा दिए जाने से उसका मकान ढहा देने का अधिकार नहीं मिल जाता। प्रशासन को उचित कारण बताना होगा कि कोई भी मकान गिराना क्यों जरूरी है। इसके लिए दूसरे पक्ष की दलीलें भी सुनी जानी चाहिए। उसे अपना जवाब देने के लिए उचित समय दिया जाना चाहिए। अगर कोई अधिकारी इन निर्देशों का पालन नहीं करेगा, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मगर इसके बावजूद, मकान-दुकान आदि ढहाने का सिलसिला रुका नहीं है। पिछले दिनों उत्तरप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र और राजस्थान में ऐसी ही मनमानी करते हुए कुछ मकान ढहा दिए गए। अब हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने करीब चार वर्ष पहले प्रयागराज में तोड़े गए मकानों पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए कहा है कि पीड़ितों को दस-दस लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। अदालत ने कहा कि इस मामले ने उसकी अंतरात्मा को झकझोर दिया है। दरअसल, प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने कुछ लोगों के मकान इस शक के आधार पर तोड़ डाले थे कि वे एक कुख्यात अपराधी की जमीन पर बने हुए हैं। उन मकानों में रहने वालों को एक दिन पहले नोटिस थमाया गया और अगले दिन मकान तोड़ दिए गए। अदालत ने सवाल किया कि आखिर इस देश में लोगों को आश्रय का अधिकार है या नहीं। जब भी इस तरह मकान-दुकान आदि गिराने के मामले सामने आते हैं, तो सरकारों की दलील होती है कि वे अवैध रूप से बनाए गए थे। मगर यह समझ से परे है कि अवैध रूप से बनाए गए मकानों पर तभी विकास प्राधिकरणों और नगर निगम की निगाह क्यों जाती है, जब कोई आपराधिक घटना घट जाती है। इसके पहले ऐसी जगहों की निशानदेही क्यों नहीं हो पाती। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अपराध पर नकेल कसना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। मगर इसके लिए तय प्रक्रिया को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अपराध करने वाले का अपराध तब तक सिद्ध नहीं माना जा सकता, जब तक कि अदालत ऐसा फैसला न सुना दे। कोई भी सरकार खुद किसी को अपराधी सिद्ध करके उसके घर पर बुलडोजर नहीं चढ़ा सकती। उस मकान में उसके परिजन भी रहते हैं, जिनमें बच्चे भी होते हैं और वृध्द भी होते हैं और वे निर्दोष होते हैं। आखिर किसी के अपराध की सजा दूसरे लोगों को बेघर करके क्यों दी जानी चाहिए। अवैध रूप से या कब्जा करके बनाए गए मकानों को ध्वस्त करने के भी नियम-कायदे हैं, इसीलिए इस तरह की मनमानी कार्रवाइयों को सर्वोच्च न्यायालय ने असंवैधानिक और अमानवीय करार दिया है। यह देखकर अजब लगता है कि जिन मामलों को सरकारों को अपने विवेक से, लोगों के मानवाधिकारों का ध्यान रखते हुए सुलझाना चाहिए, उनमें वे अक्सर खुद कठघरे में खड़ी नजर आती हैं।

मैं किसी को कुछ नहीं सिखा सकता। मैं केवल उन्हें सोचने पर मजबूर कर सकता हूं।

- सुकरात

आज का इतिहास

- 1479-सिक्खों के तीसरे गुरु गुरु अमरदास का जन्म।
- 1908-भारतीय राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता, सांसद और कैबिनेट मंत्री जगजीवन राम का जन्म।
- 1922-प्रख्यात भारतीय विदुषी महिला और समाज सुधारक पंडिता रमाबाई का निधन
- 1930-महात्मा गांधी अपने अनुयायियों के साथ नमक कानून तोड़ने के लिए दांड़ी पहुंचे।
- 1949-भारत स्काउट एण्ड गाइड की स्थापना।
- 1964-नौसेना ने पहली बार राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया।
- 1975-सऊदी अरब के राजा फ़ैजल की हत्या।
- 1979-देश का पहला नौसेना संग्रहालय बंबई (मुम्बई) में खुला।
- 1991-अंतरिक्ष यान एसटीएस 37 (अटलांटिस 8) का प्रक्षेपण किया गया।
- 1992-भारतीय तीरंदाज अतानु दास का जन्म। उन्होंने अपने तीरंदाजी कॅरियर की शुरुआत साल 2008 में की।
- 1993-भारतीय अभिनेत्री दिव्या भारती का निधन।
- 1999-इराक में वियाग्रा पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा।
- 2001-जासूसी विमान प्रकरण में अमेरिका ने घुटने टेके, चीन के समक्ष खेद प्रकट, संयुक्त राष्ट्र संघ की टीम मिलोसेविच को गिरफ़्तार करने के लिए बेलग्रेड पहुँची।
- 2002-भारत, म्यांमार एवं थाइलैंड के बीच मोरे-कलावा-मांडले सड़क परियोजना पूरी करने हेतु सहमति।
- 2003-अमेरिकी संसद में पाक की आर्थिक मदद में कटौती का प्रस्ताव पेश।
- 2006-सिंगापुर में 45 भारतीयों को आव्रजन अपराधों में गिरफ्तार किया।

कह के रहेंगे माधव जोशी

लोकतंत्र की आत्मा है अभिव्यक्ति की आजादी

■ **विश्वनाथ सचदेव**

एक बार फिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मुद्दा चर्चा में है और इसे एक विडंबना ही कहा जायेगा कि इस बार यह मुद्दा एक कॉमेडियन की प्रस्तुति को लेकर उठा है। मैं बात कुणाल कामरा के उस कार्यक्रम की कर रहा हूं जिसमें उन्होंने बिना नाम लिए महाराष्ट्र के एक राजनेता को 'गद्दार' कहा था। यह पहली बार नहीं है जब उक्त नेता को किसी ने इस विशेषण से जोड़ा है। उक्त नेताजी के पुराने साथी, जिन्हें त्याग कर उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनायी थी, अक्सर उनकी निष्ठा पर सवाल उठाते रहे हैं। पर नेताजी के अनुयायियों ने अब अपनी जो प्रतिक्रिया व्यक्त की है–उसे पहले नहीं देखा गया था। जहां तक कॉमेडियन की बात है, मुझे आपत्ति किसी को गद्दार कहने से नहीं है। कोई भी 'मेरी नजर से देखो' का वास्ता देकर किसी पर इस तरह का आरोप लगा सकता है, पर मुझे उन गालियों से आपत्ति है जो कॉमेडियन अपने कार्यक्रम में काम में लेते हैं। यह भाषा किसी सभ्य समाज की नहीं होनी चाहिए। और मैं यह भी कहना चाहता हूं कि व्यंग्य सार्थक भी तभी होता है जब, जिसपर व्यंग्य किया गया है, वह तिल मिलाकर रह जाये, और अपने आप को कुछ करने की स्थिति में भी नहीं पाये! बहरहाल, इस सबके बावजूद मैं कॉमेडियन के अपनी बात कहने के अधिकार का समर्थन करूंगा।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार हमें हमारे संविधान ने दिया है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि यह अधिकार असीमित नहीं है। हमारा संविधान इस अधिकार पर 'उचित प्रतिबंध' की बात भी करता है। जहां एक ओर इस अधिकार का उपयोग करने वाले से विवेकशील होने की अपेक्षा की जाती है। वहीं सरकार को भी यह अधिकार दिया गया है कि वह राष्ट्रीय हितों को देखते हुए उचित प्रबंध लगाये। हां, यह बात भी सही है कि अक्सर सरकारें अपने इस अधिकार का ग़लत उपयोग करने लगती हैं। अक्सर हम यह भी देखते हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खतरों की दुहाई देकर जनतंत्र के इस महत्वपूर्ण हथियार को भोथरा करने की कोशिशें होती हैं। पचास साल पहले जब देश में आपातकाल घोषित किया गया था तो तब की सरकार ने ऐसी ही एक कोशिश की थी। यहीं यह बताना भी ज़रूरी है कि तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस बात को स्वीकारा भी था कि सेंसरशिप के कारण उन तक सही और पूरी जानकारी नहीं पहुंच पायी थी और वे उचित कदम नहीं उठा पायीं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के इस पहलू को भी ध्यान में रखा जाना ज़रूरी है। जनतांत्रिक व्यवस्था में जहां यह अधिकार जनता को एक

हथियार देता है वहीं संबंधित सरकार को भी अपना कर्तव्य निभाने में सहायता कर सकता है। इस अधिकार का अभाव या हनन, दोनों, जनतंत्र को कमज़ोर बनाते हैं।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अमेरिकी पत्रकार को दिये गये इंटरव्यू में आलोचना को 'जनतंत्र की आत्मा' कहा था। तब उन्होंने यह भी कहा था कि 'आज के ज़माने में सही और तीखी आलोचना दिखाई नहीं देती।' इसी इंटरव्यू में उन्होंने भारत में आलोचना की शानदार परंपरा का भी उल्लेख किया था। 'निंदक नियरे राखिए' वाले कबीर को भी याद किया था। अपने इस इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने आलोचना और आरोप में अंतर समझाने की भी कोशिश की थी। यह बात दिलासा देने वाली है। पर अपने एक दशक से अधिक के कार्यकाल में एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस न करके हमारे प्रधानमंत्री जी ने आलोचना के द्वार को ही जैसे बंद कर रखा है। पत्रकारों, रचनाकारों के प्रति एक आदरभाव की अपेक्षा करती है जनतांत्रिक व्यवस्था। यदि रचनाकार, पत्रकार, व्यंग्यकार आलोचना करते हैं तो व्यवस्था का दायित्व बनता है कि वह इसे सकारात्मक दृष्टि से समझे-स्वीकारे। यहां, स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को याद किया जाना चाहिए। जब उन्हें यह लगा कि उनकी समुचित और सार्थक आलोचना नहीं हो रही तो उन्होंने छद्म नाम से स्वयं अपनी आलोचना करके जनतांत्रिक तौर-तरीकों का जैसे रास्ता दिखाया था। यही नहीं, उस जमाने के जाने-माने वरिष्ठ कार्टूनिस्ट शंकर को एक सार्वजनिक समारोह में उन्होंने कहा था, 'शंकर, मुझे भी मत बख्शना।' नेहरू का यह दृष्टिकोण और कथन जनतांत्रिक मूल्यों और मर्यादाओं के सम्मान का एक उदाहरण है।

इतिहास साक्षी है कि कार्टूनिस्ट शंकर ने, और उसके बाद आर.के. लक्ष्मण ने अपनी कृतियों में सकारात्मक आलोचना के ढेरों उदाहरण प्रस्तुत किये थे। एक और कार्टूनिस्ट थे 'काक'। उनके कार्टून भी सत्ता की तीखी आलोचना करने वाले हुआ करते थे। ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है। यहां व्यंग्यकार शरद जोशी को याद करना भी ज़रूरी है। शासन को सही राह पर लाने की एक सार्थक कोशिश हुआ करता था उनका लेखन। उनके व्यंग्य हंसाते भी थे, और तिलमिलाते भी थे। यहीं यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि इन और ऐसे आलोचकों को उचित प्रतिसाद देना शासन और समाज दोनों का कर्तव्य है। जनतांत्रिक व्यवस्था मात्र शासन-व्यवस्था नहीं है, यह एक जीवन-पद्धति है। इस व्यवस्था में सरकार और समाज दोनों का कर्तव्य बनता है कि वे कर्तव्यनिष्ठा और जागरूकता का निरंतर उदाहरण प्रस्तुत करें। इसी प्रक्रिया का हिस्सा आलोचना को सम्मान देना है। इसी सम्मान का प्रतीक है अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार। यहां दोहराने की कीमत पर भी यह कहना ज़रूरी है कि हमारे संविधान की धारा 19 (क) और 19(ख) दोनों मिलकर जनतांत्रिक प्रणाली को एक सार्थकता प्रदान करती हैं। पहली धारा जनता को यह अधिकार देती है कि वह शासन की नकेल अपने हाथ में रखे और दूसरी धारा उस कर्तव्य की याद दिलाती है जो 'उचित प्रतिबंध' के माध्यम से जनता को निभाना होता है। कर्तव्य और अधिकार का यह अनोखा संतुलन हमारे जनतंत्र को एक विशिष्टता देता है। इसी विशिष्टता का तकाज़ा है कि शासन और समाज, दोनों, आलोचना के प्रति जागरूक भी रहें और उसका सम्मान भी करें।

जहां तक कुणाल कामरा के मामले का सवाल है, इसे सिर्फ एक घटना मात्रा मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। असहिष्णुता का यह उदाहरण हमें यह भी याद दिलाता है कि यह अपनी तरह का अकेला उदाहरण नहीं है। इससे पहले भी पत्रकारों-कलाकारों-रचनाकारों के प्रति इस तरह का व्यवहार होता रहा है। जनतंत्र की आत्मा का तकाज़ा है कि यह व्यवहार बंद हो। कुछ ही दिन पहले एक प्रकरण में उच्चतम न्यायालय ने एक टिप्पणी में कहा था कि कलाकार, साहित्यकार का (अभिव्यक्ति की आज़ादी) अधिकार इस आधार पर खत्म नहीं किया जा सकता कि उनकी अभिव्यक्ति कितनी लोकप्रिय है। विचार का मुकाबला विचार से ही होना चाहिए। इसी टिप्पणी में आगे यह भी कहा गया कि हमारा लोकतंत्र इतना कमज़ोर नहीं हो गया है कि किसी कविता या कॉमेडी से समाज में आपसी शत्रुता अथवा घृणा फैले। यह कहना कि किसी कला या कामेडी या व्यंग्य से नफरत फैल सकती है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को नकारने जैसा होगा। न्यायालय के इस कथन को समझने और याद रखने की आवश्यकता है। आलोचना शासक को अपने कर्तव्य को निभाने के लिए जागरूक बनाने के लिए होती है। जनतंत्र की इस आत्मा की रक्षा ज़रूरी है। **(साभार: यह लेखक के निजी विचार हैं)**

इतिहास से सबक सीखें या अतीत की घटनाओं का हिसाब-किताब करें

■ **राम पुनियानी**

संघ परिवार द्वारा 1992 में बाबरी मस्जिद ढहाए जाने के बाद से जो सैकड़ों साल पहले हुआ था वह अचानक समाज में चर्चा का मुख्य विषय बन गया है. इतिहास को देखने का एक विशिष्ट नजरिया, जिसमें इतिहास को राजाओं और उनके धर्म के चश्मे से देखा जाता है, को समाज पर थोप दिया गया है. वह भी एक सुनियोजित तरीके से. अब एक कदम आगे बड़कर साम्प्रदायिक शक्तियां इसको राष्ट्रवाद से जोड़ रहीं हैं. दिलचस्प बात यह है कि साम्राज्यों के काल के इतिहास को राष्ट्रवाद से जोड़ा जा रहा है, इस तथ्य को पूरी तरह भुलाकर कि राष्ट्र-राज्य एक आधुनिक परिकल्पना है और भारत की संकल्पना उपनिवेशवादी शक्तियों के विरूद्ध हुए संघर्ष के समानांतर उदित हुई. साम्प्रदायिक शक्तियां मुस्लिम शासकों से लड़ने वाले हिंदू राजाओं को देशभक्त और महान राष्ट्रवादी और राष्ट्र के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं. इससे पहले महात्मा गांधी के सीने में तीन गोलियां मारने वाले नाथूराम गोडसे ने अपने अदालती बयानों पर आधारित पुस्तक ''मे इट प्लीज युअर ऑनर'' में गांधीजी पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज या महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रवादियों की तुलना में वे अत्यंत तुच्छ थे.

अब उसकी विचारधारा को मानने वाले यही बात और जोर से दुहरा रहे हैं. उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में ''अतीत के आक्रमणकारियों का महिमामंडन करने वालों'' पर तीखा हमला करते हुए कहा था कि यह देशद्रोह है जिसे 'नया भारत' बर्दाश्त नहीं करेगा. भाजपा के तेजतर्रार नेता की यह टिप्पणी महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित मुगल शासक औरंगजेब की कब्र हटाए जाने की मांगों के बीच आई है. इसी तरह आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) ने सवाल उठाया कि क्या किसी ऐसे व्यक्ति को नायक बताना ठीक है जिसका आचरण भारत के लोकाचार के विपरीत रहा हो. उन्होंने पूछा कि गंगा-जमुनी तहजीब (हिंदू और मुस्लिम सांस्कृतिक तत्वों के मिलन) की वकालत करने वालों ने कभी औरंगजेब के बड़े भाई दारा शिकोह को नायक क्यों नहीं बताया जो सांप्रदायिक सौहार्द का प्रवर्तक बताया जाता है.

ये सारी बातें उस माहौल में कही जा रही हैं जब जोर-शोर से औरंगजेब को एक आक्रामक और क्रूर खलनायक बताया जा रहा है. आक्रमणकारी कौन थेड़ क्या औरंगजेब एक आक्रमणकारी थाड़ सीधी सी बात यह है कि औरंगजेब को अपने पिता शाहजहां के वारिस के रूप में साम्राज्य मिला. मुगल साम्राज्य का संस्थापक बाबर था, जो काबुल पर राज कर रहा था. राणा सांगा ने उसे पत्र लिखकर कहा कि वह आकर दिल्ली के सम्राट इब्राहिम लोधी को पराजित करे. अंततः हुआ यह कि बाबर ने राणा सांगा और इब्राहिम लोधी दोनों से युद्ध किया और दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुआ. बाबर के पहले यूनानी, कुषाण, हूण और शकों ने उत्तर-पश्चिम से आक्रमण किया और वे यहां के जनसमुद्र का हिस्सा बन गए. केवल मुगल ही यहां नहीं आए, खिलजी, गुलाम और गजनी भी स्थानीय राजाओं के पराजित कर यहां की सत्ता पर काबिज हुए. उस समय भारत, दिल्ली से शासित होने वाले राष्ट्र के मौजूदा स्वरूप में अस्तित्व में नहीं था. राजाओं के बीच सत्ता और संपदा के लिए संघर्ष चलते रहते हैं और शक, हूण, कुषाण व पूर्व में अहोम जैसे विभिन्न समुदायों के मिलन से एक मिश्रित और बहुवादी सभ्यता यहाँ अस्तित्व में आई.

भारत देश के प्रतीक कौन हैंड़ योगी और गोडसे शिवाजी और राणा प्रताप को राष्ट्र नायकों के रूप में प्रस्तुत करते हैं. शिवाजी के प्रशासन में मुसलमान बहुत से उच्च सैन्य एवं असैन्य पदों पर थे. उन्होंने औरंगजेब के खिलाफ युद्ध लड़ा जिसकी सेना का नेतृत्व मिर्जा राजा जयसिंह के हाथ में था. राणा प्रताप द्वारा हल्दीघाटी में दिखाई गई वीरता स्तुत्य है पर क्या यह भारतीय राष्ट्रवाद के लिए किया गया संघर्ष थाड़ उनकी सेना में 3000 सिपाही थे जिनमें से एक हजार पठान थे जिनका नेतृत्व हाकिम खान सूर करते थे. दूसरी ओर अकबर की सेना के प्रमुख मानसिंह थे. युद्ध राष्ट्रवाद के मुद्दे पर नहीं, बल्कि मनसब के मुद्दे पर लड़ा गया था. हिंदू राष्ट्रवादी भले ही मुसलमानों के खिलाफ युद्ध लड़ने वालों को राष्ट्र नायकों की तरह प्रस्तुत करना चाहते हों, लेकिन पूरी कहानी इससे ज्यादा जटिल है. यह राजाओं की राजाओं से लड़ाई थी न कि हिंदुओं की मुसलमानों से। ऐसा भी नहीं है कि सारे मुस्लिम राजा जालिम थे और हिंदू राजा शांति के पुजारी थे. कलिंग युद्ध के संबंध में अशोक की कितनी बदनामी है. चोल राजाओं का चालुक्य राजाओं के खिलाफ युद्ध भी अनेक क्रूर घटनाओं के लिए जाना जाता है जिनमें राजेन्द्र चोल की विजयी सेना ने पराजित चालुक्य राजा के सेनापति समुद्रराज का सिर काट दिया जाना और उसकी पुत्री की नाक काट देना शामिल ह। औरंगजेब का दानवीकरण राजनैतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है और हिंसा और गौमांस, लव जिहाद जैसे मुद्दों के जरिए मुसलमानों के एक वर्ग को आतंकित और एक दायरे में सिमटने के लिए मजबूर कर दिया जाता है. औरंगजेब को आज के असहाय मुस्लिम समुदाय से जोड़ना कैसे न्यायोचित है।.

जहां तक इतिहास का सवाल है, उसे कई तरीकों से प्रस्तुत किया जा सकता है. हिन्दू साम्प्रदायिक तत्व राजाओं को इसलिए बड़ा-चड़ाकर पेश करते हैं क्योंकि वे अतीत में हुई जाति-वर्ण की ऊंच-नीच से जुड़ी क्रूरताओं और महिलाओं के दमन को छिपाना चाहते हैं. अम्बेडकर भारत के इतिहास को बौद्धवाद और ब्राम्हणवाद के संघर्ष के रूप में प्रस्तुत करते हैं. उनके अनुसार बौद्ध धर्म का उदय ब्राम्हणवादी जातिवादी-वर्णवादी मूल्यों के खिलाफ एक क्रांति के रूप में हुआ. और इसी वजह से बौद्ध धर्म भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया. अशोक ने इसे दक्षिण पूर्व एशिया में फैलाया और एक विश्वव्यापी धर्म बन गया. अंबेडकर के अनुसार इस क्रांति के बाद पुष्यमित्र शुंग के नेतृत्व में एक प्रतिक्रांति हुई जिसने हिंसा के जरिए बुद्ध धर्म और बौद्धों का सफाया कर दिया और उसका भारत से लोप हो गया. भारत में उसे दुबारा अंबेडकर लाए. भारत में दलितों और महिलाओं पर अत्याचार आम बात थी. औपनिवेशिक काल में हुए समाज सुधारों से इनमें कमी आई लेकिन ये किसी न किसी रूप में आज भी अस्तित्व में हैं. क्या राजा राममोहनराय भारत के एक महान व्यक्तित्व नहीं हैंड़ जोतिराव फुले और बाबासाहेब अम्बेडकर, जिन्होंने जाति-वर्ण व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष किया, के बारे में क्या कहा जा सकता हैड़ क्या वे भारत के प्रतीक नहीं थे, और आप भगत सिंह और अशफाकउल्लाह को किस श्रेणी में रखेंगेड़ गांधी, मौलाना आजाद, सरदार पटेल, नेहरू और सुभाष चन्द्र बोस का नाम भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है.

मुस्लिम राजाओं के जुल्मों को बड़ा-चड़ाकर पेश करने से हिन्दू राष्ट्र के लक्ष्य को आगे बड़ाने में दो तरह से मदद मिलती है. एक ओर इसके जरिए धार्मिक अल्पसंख्यकों पर निशाना साधा जाता है और दूसरी ओर, अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे हिन्दू राष्ट्रवाद के आधार, ब्राम्हणवादी व्यवस्था, द्वारा समाज के कमजोर तबकों पर ढहाये गए अत्याचारों पर पर्दा पड़ता है. प्रधानमंत्री से लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तक, सभी ने फिल्म छावा की तारीफों के पुल बांधे. अब मुख्यमंत्री इसे ही नागपुर में हुए साम्प्रदायिक तनाव के लिए दोषी ठहरा रहे हैं. क्या इन महानुभावों ने कभी ऐसी फिल्मों की प्रशंसा की जिनमें अतीत में दलितों और महिलाओं पर किए गए जुल्मों को दिखाया गया होड़ यह एक तथ्य है कि भाजपा की तब की प्रमुख नेत्री, विजयाराजे सिंधिया ने सती प्रथा (पति की चिता पर पत्नि को जिंदा जला दिया जाना) का समर्थन किया था और आज योगी-फणनवीस-होसबोले साम्प्रदायिक मुद्दों जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं.

(साभार: अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया. लेखक यह उनके विचार हैं, वह नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं।)

लोक निर्माण मंत्री ने 'स्कूल चलें हम' अभियान को किया संबोधित

देश की असली ताकत अच्छी शिक्षा में है : मंत्री राकेश सिंह

एकलव्य स्कूल में पढ़ना ही विद्यार्थी की भविष्य की नींव मजबूत करने की आधारशिला है

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल में पढ़ना ही छात्र-छात्राओं के भविष्य की मजबूत नींव की आधारशिला है। आप खुश किस्मत है कि आपका एडमिशन एकलव्य आवासीय विद्यालय में हुआ है। उक्त उदगार प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने गुरुवार को केसला के ग्राम भरगदा के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं से कहीं। प्रभारी मंत्री एकलव्य आवासीय विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव एवं भविष्य से भेंट कार्यक्रम तथा स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। विद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ने कहा कि संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भी कहते थे कि देश की असली ताकत शास्त्रों में नहीं अपितु देश की असली ताकत अच्छी शिक्षा में है इसलिए सभी बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। अपने माता-पिता अपने शिक्षकों अपने गांव अपने प्रदेश एवं अपने देश का नाम रोशन करें प्र मंत्री ने कहा कि माता-पिता ने जिम्मेदारी से आपको यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा है उस जिम्मेदारी को अनुभव करके मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करें एवं भविष्य में एक अच्छे इंसान बनकर अपना एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करें।

प्रभारी मंत्री ने छात्र-छात्राओं से आमने-सामने संवाद किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से पूछा कि उन्हें स्कूल आना कैसा लगता है। 12वीं की छात्रा अनुष्का उइके ने बताया कि उन्हें स्कूल आना अच्छा लगता है क्योंकि स्कूल में उनके दोस्त हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि भविष्य में वह शिक्षक बनना चाहती है क्योंकि उन्हें लोगों को समझाना पसंद है। प्रभारी मंत्री ने अनुष्का की बात की सराहना करते हुए कहा कि सभी छात्र-छात्राएं अपने माता-पिता एवं शिक्षकों का सम्मान करें। पमंत्री ने जल की उपयोगिता के बारे में समझाइश देते हुए बताया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल की उपलब्धता एवं पेयजल स्तर को बढ़ाने की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। क्योंकि जल की आवश्यकता पशु पक्षी एवं मनुष्य को समान रूप से रहती है लेकिन अभी विगत वर्षों में यह देखने में आ रहा है कि हमारी धरती का जलस्तर धीरे-धीरे कम होता जा रहा है क्योंकि पानी का उपयोग व्यक्ति जरूरत से ज्यादा कर रहे हैं। प्रभारी मंत्री ने सभी छात्र-छात्राओं को समझाया कि वह हॉस्टल या कहीं अन्य जगह नल से व्यर्थ पानी बहता हुआ देखें तो नल बंद करें। उन्होंने प्राचीन कुए, बावड़ी एवं छोटे-छोटे जल संरचनाओं को बचाने का संदेश दियद्य

एकलव्य आवासीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने सभी छात्र-छात्राओं से संवाद कर जल की हमारे जीवन में महत्वता पर प्रकाश डाला और बताया कि धीरे-धीरे धरती का जलस्तर कम होता जा रहा है, अब इसके लिए आवश्यकता है कि हम सब बड़े पैमाने पर पर जल संरक्षण करें साथ ही पौधारोपण भी करें। पानी को रिचार्ज करें। पानी का उपयोग करके पानी को नीचे जमीन पर सतह पर पहुंचाएं। ताकि वाटर लेवल बढे।

भरगदा में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने अगली कक्षा में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को शिक्षा की डलिया भेंट की। प्रभारी मंत्री ने कक्षा नवमी में प्रवेश लेने वाले अंकित उइके, कक्षा दसवीं के महेश मर्सकोले, कक्षा 12वीं के मनीष धुर्वे, कला संकाय में प्रवेश लेने वाले छात्र कमल दहिया एवं कॉमर्स में प्रवेश लेने वाली छात्रा सोनम को शिक्षा की डलिया भेंट की ।

सिंह ने एकलव्य आवासीय विद्यालय में अध्यनरत उन छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जिन्होंने कला साहित्य एवं अन्य खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रभारी मंत्री ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता कला साहित्य में नाम रोशन करने वाली छात्रा अर्चना कलमे जिन्होंने कैटिगरी आफ साहित्य में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया था उन्हें सम्मानित किया। साथ ही कक्षा 12वीं के छात्र मनीष धुर्वे जिन्होंने इंग्लिश कांपटीशन में सहभागिता निभाई थी उन्हें भी सम्मानित किया। त्सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने देवी आराधना पर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी तथा आदिवासी संस्कृति से ओतप्रोत सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी। जिसकी सभी ने सराहना की।

भागवत कथा में हुआ कृष्ण रुक्मिणी का विवाहोत्सव

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

रजोदा रोड स्थित चल रही भागवत कथा का वाचन करते हुए आचार्य पंडित विकास एलिया ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया, व्यक्ति को शरीर स्वस्थ रखना चाहिए जिससे वह दान, सेवा, धर्म की रक्षा, राष्ट्र की रक्षा, परिवार व पर्यावरण की रक्षा के साथ नेक कार्य कर सके। उन्होंने कहा कि पतिव्रता स्त्री कभी अपना धर्म नहीं छोड़ती है। उसके प्रभाव से घर में कभी भी अनिष्ट नहीं होता है। उन्होंने मीराबाई का दृष्टांत देते हुए कहा कि मीराबाई ने संतों से कहा था गोपाल का वरण किया है जिसका कभी नाश नहीं होता है। भगवान श्रीकृष्ण को योगेश्वर कहा गया है हालांकि भगवान श्रीकृष्ण की 16 हजार रानियां थीं फिर भी वे योगेश्वर कहलाए थे। कथा के दौरान पंडित ऐलिया ने द्वारकाधीश रुक्मिणी विवाह उत्सव का वर्णन किया। भजनों पर श्रद्धालुओं ने नृत्य किया। श्रद्धालुओं में भगवान के प्रति आस्था समर्पण देख महाराज ने प्रत्येक वर्ष कथा होने की घोषणा की मंदिर के समीप धर्मशाला निर्माण में महाराज ने कहा आप सभी सहयोग करें समाज के हित का कार्य है कथा श्रवण करने पधारे श्री 1008 महेश्वर दास त्यागी जी महाराज जी गंज वालों का आगमन हुआ। विधायक हरि सिंह रघुवंशी, जितेंद्र मीणा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मधुलिका रज्जन अग्रवाल, सरीना राजेश राय माथुर, रामकृष्ण रघुवंशी, लोकेश रघुवंशी मंदिर अध्यक्ष रजनी शर्मा सहित श्रद्धालु मौजूद रहे।

आरिफ चिश्ती बने सूफी खानकाह एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव

नर्मदापुरम. सूफी खानकाह एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूफी मोहम्मद कौसर हसन मजीदी अधिवक्ता द्वारा आरिफ खान चिश्ती को सूफी खानकाह का मध्य प्रदेश का महासचिव नियुक्त किया गया है। आरिफ खान चिश्ती की समाज जागरूकता और मानव सेवा को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गयी ! इनकी नियुक्ति पर सर्व धर्म सद्भाव समिति के संरक्षक बशारत खान फिरोज खान चिश्ती आरिफ खान जुनेद ताजी सैयद इजहार अहमद सलमान खान भारत चोरे विकास सोलंकी गणेश नागल आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

विद्यालयों का समय परिवर्तन कराने शिक्षक संगठन ने दिया ज्ञापन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

शासकीय शिक्षक संगठन ने गुरुवार को एक ज्ञापन कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी को दिया गया। जिसमें कहा गया है कि नवीन शिक्षा सत्र प्रारंभ हो गया है वर्तमान में गर्मी एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए छात्रों एवं शिक्षकों के हित को दृष्टिगत रखते हुए यदि विद्यालयों का समय प्रातः कालीन हो जाएगा तो इससे बच्चों की उपस्थिति भी वि?द्यालयों में बढ़ेगी एवं बच्चों और शिक्षकों को गर्मी से राहत मिल सकेगी। छात्रों और शिक्षकों के हित को देखते हुए विद्यालयों का समय प्रातःकालीन करने का कष्ट करें। इस मौके पर पृथ्वी सिंह रघुवंशी, राहुल शर्मा, वंदना रघुवंशी, विनोद श्रीवास्तव, सौदान सिंह, नारायण रघुवंशी, पूरन लोधी सहित शासकीय शिक्षक संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि विस्तार अधिकारी एवं पटवारी ने किसानों से पराली न जलाने की अपील की

तेंदूखेड़ा। जिला कलेक्टर के द्वारा किसानों को पराली जलाने के लिए प्रतिबंध लगाया गया है। पराली किसान न जलाएं इसके लिए अधिकारी कर्मचारी किसानों को जागृत कर रहे हैं गुरुवार को ग्राम बांदीपुरा में कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री प्रिया तिवारी, पटवारी प्रज्ञा कटारे ने बांदीपुरा के किसानों को पराली न जलाने के लिए कहा साथ ही किसानों को पराली जलाने से जमीन में होने वाले नुकसानों के बारे में बताया। मंदिर के माइक से संपूर्ण ग्राम में आवाज जा सके पराली न जलाने की अपील की गई। इसके अलावा पराली जलाने पर किसान के उपर 2 एकड़ तक 2 हजार 500 रुपए, 5 एकड़ तक 5 हजार रुपए एवं 5 एकड़ से उपर पराली जलाने पर 15 हजार रुपए तक का जुर्माना वसूल किया जाएगा। इस दौरान कृषि विभाग से दुर्गेश रैकवार एवं ग्राम कोटवार मौजूद रहे।

कार्मिक मंत्रालय को कार्यालय की गतिविधियों से अवगत कराया

एसडीओ राजस्व सोहागपुर में नहीं हो रहा समय पर अपीलों का निराकरण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर नर्मदापुरम जिले का एक ऐसा कार्यालय है जहां नियम कानून को दर किनार कर मनमाने तौर पर ऑफिशियल काम किया जा रहा है. सरकार ने सूचना के अधिकार अधिनियम कानून को बनाकर जनता को जानने का अधिकार दिया है. लेकिन अनुविभाग अधिकारी राजस्व सोहागपुर कार्यालय में इस कानून की जो दुर्दशा हो रही है वह न सिर्फ चिंता का विषय है बल्कि इस कानून को लेकर भी गंभीरता से सोचने वाली बात है.

नहीं होती प्रथम अपीलों की सुनवाई

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर कार्यालय को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित उचित मूल्य की दुकानों का प्रथम अपीलीय अधिकारी बनाया गया है. देखने में आ रहा है कि राशन दुकानों के विरुद्ध प्रस्तुत की जाने वाली प्रथम अपीलों को लेकर एसडीओ राजस्व सोहागपुर द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की जाती. अपीलार्थी द्वारा जो अपील शुल्क जमा की जाती है वह भी बेकार चली जाती है. जब एसडीओ द्वारा अपील का निराकरण नहीं किया जाता है तो मजबूरन में प्रथम अपील को सेकंड अपील के रूप में राज्य सूचना आयोग में दर्ज करना पड़ता है. इस प्रक्रिया में आवेदक को समय श्रम और धन प्रथम अपील अधिकारी की निष्क्रियता से ही बर्बाद करना पड़ता है. यदि अनुविभागअधिकारी राजस्व सोहागपुर द्वारा प्रथम अपील का निराकरण समय पर कर दिया जाता तो आवेदक को द्वितीय अपील लगाने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती.

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम को लेकर बरती जारी निष्क्रियता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय नई दिल्ली को अवगत कराया गया है. आवेदक द्वारा अपने पत्र में उल्लेख किया गया है कि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्रस्तुत की जाने वाली प्रथम अपीलों को लेकर यदि कोई प्रथम अपील अधिकारी अपील का सही समय पर निराकरण नहीं करते हैं तो आवेदक का अपील शुल्क वापस किया जाए. तथा प्रथम अपील अधिकारी से अपील पर कार्रवाई न किए जाने को लेकर स्पष्टीकरण मांगा जाए. क्योंकि केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत समय-समय पर अधिसूचना जारी की जाती है. तो प्रथम अपील अधिकारियों द्वारा इस तरह की निष्क्रियता पर भी अधिसूचना जारी की जाए. ताकि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदक द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली प्रथम अपीलों को लेकर बरती जा रही निष्क्रियता पर विराम लग सके.

अपर कलेक्टर के आदेश का भी पालन नहीं कर रहे अधिकारी

सूचना के अधिकार अधिनियम के एक अन्य प्रकरण में अनुविभाग अधिकारी राजस्व सोहागपुर से सोहागपुर क्षेत्र में पदस्थ आपूर्ति अधिकारी के संबंध में जानकारी चाही गई तो एसडीओ राजस्व द्वारा अपने अधीनस्थ आपूर्ति अधिकारी से समय सीमा में जानकारी न दिलाने पर आवेदक को प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं अपर कलेक्टर नर्मदापुरम के समक्ष एसडीओ राजस्व सोहागपुर के विरुद्ध अधिनियम की धारा 19(1) के तहत में प्रथम अपील प्रस्तुत करनी पड़ी. प्रथम अपीली अधिकारी अपर कलेक्टर द्वारा समय सीमा में अपील का निराकरण करते हुए एसडीओ सोहागपुर को जानकारी देने के आदेश जारी किए गए. इस आदेश को जारी हुए 2 महीने से भी अधिक समय हो गया. लेकिन एसडीओ सोहागपुर अपने अधीनस्थ आपूर्ति अधिकारी से आज दिनांक तक आवेदक को जानकारी नहीं दिला पाए.

नगर परिषद के सफाई कर्मियों की मनमानी जारी अधिकारी भी नहीं दे रहे ध्यान

कचरे को उठाने की बजाय जला कर किया जा रहा नष्ट, फैल रहा प्रदूषण

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

चैत्र नवरात्र पर्व के दौरान आदिशक्ति के भक्त सुबह 4 बजे से ही मां दुर्गा को जल अर्पण करने मंदिरों में जाते हैं लेकिन नगर परिषद के सफाई कर्मियों द्वारा जलाया जाने वाला कचरा लोगों को परेशानी का कारण बना हुआ है। दरअसल सुबह के समय नगर परिषद के सफाई कर्मियों द्वारा मुख्य सड़कों एवं गलियों में साफ सफाई हेतु झाड़ू लगाना प्रारंभ किया जाता है और उनके द्वारा झाड़ू लगाकर कचरे का ढेर बना कर फेंकने की बजाय आग लगा दी जाती है। जिससे सुबह श्रद्धालुओं को धुंए से परेशानी हो रही दूसरा इससे वायु प्रदूषण फैल रहा है कचरे में प्लास्टिक, कांच, कागज, पॉलीथिन सभी प्रकार का वेस्टेज मेटेरियल रहता है जिनके जलने से निकलने वाला धुआं बेहद जहरीला होता है लोग सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकलते हैं और जो श्रद्धालु मंदिर जा रहे हैं उन्हें भी इस धुंए से तकलीफ होती है वहीं वातावरण भी प्रदूषित होता है। नियम के तहत कचरे को उठाकर एक जगह फेंकना होता है। नगर परिषद द्वारा कचरा फेकने के लिए वार्ड क्रमांक 9 में सीएम राइज स्कूल के पास ट्रचिंग प्लांट ग्राउंड बनाया गया है इसके लिए नगर परिषद में करीब 8 कचरा वाहन भी चल रहे हैं जिनपर हजारों रुपए डीजल हर महीने खर्च होता है। फिर भी सफाई कर्मी कचरा जलाने से बाज नहीं आ रहे हैं

आग से बढ़ रहा प्रदूषण

नगर में जहां-तहां लगे कचरे को नियम तहत उठाकर परिषद द्वारा चिन्हित स्थान पर फेंका जाना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है अधिकतर कचरे को जलाकर नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

नवरात्र झाड़ू ही लगाई जाए

नागरिकों की मांग है कि नगर की सफाई व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नवरात्र पर्व के चलते नगर के सभी वार्डों और मुख्य मार्गों पर रात में ही साफ सफाई और झाड़ू लगाई जाए क्योंकि सुबह से लोगों जल अर्पित करने मंदिरों के लिए जाते हैं तो झाड़ू लगाते समय उड़ती धूल से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है इसलिए नवरात्र में रात में ही साफ सफाई कराई जाए जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े।

इनका कहना

इस संबंध में सीएमओ प्रेम सिंह चौहान का कहना है कि सफाई कर्मी कचरा नहीं जला सकते हैं यदि सफाई कर्मियों द्वारा कचरा जलाया जाता है तो ये गलत है मैं इसकी जांच करवाता हूं

बिजली चोरी की सूचना देने वाले को मिलेगा ईनाम

नर्मदापुरम. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार 5 प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा। शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी।

कंपनी में कार्यरत नियमित कर्मचारी/ संविदा/ आउटसोर्स कर्मचारी को भी सूचनाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। सूचना सही पाए जाने एवं जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश की पूर्ण वसूली होने पर एक प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के बाद बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपी के विरुद्ध निकाली गयी राशि की वसूली में सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

गर्भवती महिलाओं व शिशुओं की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करें

स्वास्थ्य अधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नवीन अनमोल एप्लीकेशन और आरसीएच पोर्टल 2.0 का चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं और शिशुओं की निगरानी के लिए पोर्टल लाभकारी है। जिसके लिए कार्यकर्ताओं को जानकारी पोर्टल पर अपडेट करने के बारे में बताया जा रहा है।

नर्मदापुरम के होटल प्राइम लैंड में ब्लॉक वार मेडिकल ऑफिसर, सीएचओ, डाटा एंट्री ऑपरेटर तथा एएनएम को प्रशिक्षण प्रदान किया। सीएमएचओ डॉ. दिनेश देहलवार ने प्रशिक्षण में बताया कि गर्भवती माताओं के पंजीयन तथा शिशु के पंजीयन की निगरानी व समय पर टीकाकरण, हाइरिस्क गर्भवती महिला की जटिलता का शीघ्र पता लगाकर समय पर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना उद्देश्य है। अनमोल एप्लीकेशन तथा पोर्टल के नए वर्जन में पंजीयन के लिए समग्र आईडी, आधार कार्ड तथा बैंक खाते की ई-केवायसी अनिवार्य रूप से होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा व प्रसूति सहायता योजना के पात्र हितग्राहियों को भुगतान के लिए समग्र से आधार लिंक करवाना तथा आधार कार्ड से बैंक खाता लिंक करवाना होगा, तभी प्रोत्साहन राशि का भुगतान सीधे खाते में जमा होगा। गर्भवती महिला के पंजीयन के समय पति-पत्नी के समग्र आईडी एक ही परिवार सूची में अपडेट करवाना होगा। मास्टर ट्रेनर अनुष्का मालवीय ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से बताया कि नए एप्लीकेशन के माध्यम से पंजीयन के साथ ही हाई रिस्क एएनसी का फॉलोअप, प्रसव उपरांत दी जाने वाली सुविधा तथा बच्चों के टीकाकरण की ट्रेकिंग आसानी से की जा सकेगी। प्रशिक्षण की राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की गई इस दौरान जिला टीकारकण अधिकारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डीपीएम उपस्थित थे।

कार्यवाही के नाम पर मौन धारण किए बैठे हैं जिला एवं जनपद के अधिकारी

लटेरी की ग्राम पंचायतों में सोशल ऑडिट टीम ने उजागर किया करोड़ों का घोटाला!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

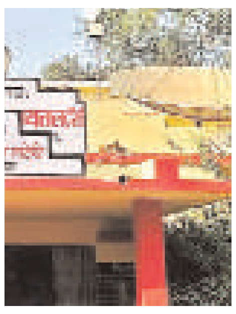

लटेरी जनपद की ग्राम पंचायतों द्वारा अजब गजब कारनामे किए जाते है यह किसी से छुपे नहीं है, इस साल सोशल ऑडिट टीम ने लटेरी जनपद की ग्राम पंचायतों में करोड़ों का घोटाला उजागर किया है, लटेरी जनपद की कई ग्राम पंचायतों ने मनरेगा योजना की राशि तो निकाल ली लेकिन मौके पर कार्य ही नहीं कराए गए हैं। भारत सरकार द्वारा मनरेगा योजना ग्रामीण क्षेत्रों में इसलिए चलाई है ताकि ग्रामवासियों को अपने ही ग्राम में रोजगार मिल सके लेकिन लटेरी में इसके विपरीत कार्य हुए है सरपंच सचिव द्वारा मनरेगा योजना से स्वयं के रोजगार के साधन जनरेट कर लिए हैं।

अधिकारी कर्मचारियों की सरपरस्ती में हुआ घोटाला

लटेरी जनपद में मनरेगा योजना की मॉनिटरिंग के लिए सी ई ओ से लेकर इंजीनियर सब इंजीनियर कई कर्मचारी अधिकारी तैनात है, इन अधिकारियों द्वारा मनरेगा योजना की मॉनिटरिंग की जाती है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि क्या इनके द्वारा समय समय पर मॉनिटरिंग नहीं की गई, या फिर इनके द्वारा मॉनिटरिंग के नाम पर जनपद में बैठकर सिर्फ खाना पूर्ति की गई है, इस कारण ही सरपंचों द्वारा बिना निर्माण कार्य किए करोड़ों की राशि का आहरण कर लिया। सोशल ऑडिट की रिपोर्ट आए एक माह से अधिक बीत चुका हैं लेकिन कार्य वाही के नाम पर अधिकारी नोटिस नोटिस खेल रहे हैं।

सोशल ऑडिट में ऑडिट टीम को पाई गईं कमियां

लटेरी जनपद में अभी 2021-22, 2022-23 -2023-24 का सोशल ऑडिट हुआ है, ऑडिट टीम को कई ग्राम पंचायतों में कार्यों का रिकॉर्ड ही नहीं मिला, कई पंचायतों में मौके पर निर्माण कार्य ही नहीं पाए गए, और इन कामों पर लाखों की राशि का आहरण भी कर लिया गया।सोशल ऑडिट टीम द्वारा रिपोर्ट जनपद में जमा किए एक माह से अधिक का समय हो चुका है लेकिन लटेरी जनपद के अधिकारी मामले को रफ़ा दफा करने में लगे हुए हैं। विचार करने बाली बात है कि जब इस संबंध में जिला सी ई ओ से हमारी बात हुई तो जिला सी ई ओ इस मामले से अंजान नजर आए, उन्होंने कहा कि मेरी जानकारी में यह मामला नहीं है।

आखिरकार क्या है सोशल ऑडिट

सामाजिक अंकेक्षण या सोशल ऑडिट एक विधिक रूप से अनिवार्य प्रक्रिया है, जहाँ संभावित तथा विधिक लाभार्थी किसी कार्यक्रम के क्रियान्वयन का मूल्यांकन करते हैं तथा इस प्रयोजनार्थ आधिकारिक रिकॉर्ड से जमीनी वास्तविकता की तुलना की जाती है।जिसमें तय किया जाता है कि ग्राम पंचायत द्वारा जो राशि खर्च की गई है उसे वास्तव में धरातल पर निर्माण कार्य हुआ है या नहीं। पंचायती राज अधिनियम द्वारा ग्राम सभा को पंचायत निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं सरकार के कार्यों की स्थानीय निगरानी का कार्य सौंपा गया।

भारत में राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम ऐसा प्रथम राष्ट्रीय कानून है, जिसमें सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया को विधिवत् स्वीकार किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यह निर्णय दिया कि इसके उचित एवं अधिक कारगर क्रियान्वयन हेतु,मनरेगा का सामाजिक अंकेक्षण किया जाए।

क्यों किया जाता है सोशल ऑडिट

सामाजिक अंकेक्षण में धन के दुरुपयोग अथवा धोखाधड़ी का परीक्षण किया जाता है। सामाजिक अंकेक्षण सरकारी धन के उपयोग का गुणवत्तापरक एवं परिमाणात्मक परीक्षण करता है तथा पारदर्शिता बहाल करता है। यह विकास कार्यों में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करता है तथा इस प्रकार लोकतंत्र एवं स्थानीय स्व-शासन की अवधारणा को मज़बूती प्रदान करता है। यह जनता को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक करता है तथा सरकारी योजनाओं एवं कल्याण कार्यों की सूचना प्रदान करता है। यह सरकार तथा नौकरशाही को जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनाता है तथा भ्रष्टाचार को कम करने में सहायता करता है। इसके द्वारा जॉब कार्ड का निर्गमन एवं उसमें अद्यतन प्रविष्टियाँ, कार्य चाहने वाले आवेदन पत्रों की पावती, कार्यों का निष्पादन, प्रमुख दस्तावेज़ों का संधारण, पारिश्रमिक भुगतान, सरकारी योजना की राशि का पैसा हितग्राही के खाते में गया है या और किसी के खाते में, धरातल पर कार्य मौजूद है या नहीं आदि का परीक्षण किया जाता है।

जिम्मेदार बोले

"आपके द्वारा मुझे जानकारी मिली है मेरी जानकारी में नहीं है लटेरी जनपद में इतना बड़ा घोटाला हुआ है में जानकारी लेकर आपको एक घंटे में बताता हूं"

-ओमप्रकाश सनोडीया
मुख्य कार्य पालन अधिकारी
जिला पंचायत विदिशा

कलेक्टर के प्रयासों से विदिशा जिला पीएम एक्सीलेंस अवार्ड हेतु भारत के टॉप दस जिलों में शामिल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा भारत में विभिन्न विभागों के द्वारा संचालित उत्कृष्ट कार्य करने वाले राष्ट्रीय कार्यक्रमों को प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड दिया जाएगा। जिसमें जिले के अलग अलग विभागों के ग्यारह राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड हेतु भारत के दस टॉप जिलों में विदिशा जिला भी शामिल होकर फाइनल अवॉर्ड हेतु प्रतिस्पर्धा में शामिल है। इसी संबंध में आज गुरूवार को उन सभी विभागों के कार्यक्रम देखते नोडल अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ की उपस्थिति में जिला पंचायत के सभागार में आयोजित की गई थी। जिसमें प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड योजना की दौड़ में शामिल विभागों के नोडल अधिकारियों से अवार्ड से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेजों की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड योजना की दौड़ में विभिन्न विभागों की ग्यारह योजनाएं राष्ट्रीय कार्यक्रम शामिल हैं। उनमें पीएचई की हर घर जल, ग्रामीण विकास विभाग की प्रधानमंत्री आवास शहरी एवं ग्रामीण, स्वास्थ्य विभाग की मिशन इंद्रधनुष एवं प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, नगर पालिका की पीएम स्वनिधि, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रधानमंत्री मंत्री मातृत्व वंदना योजना एवं सक्षम आंगनबाड़ी, कृषि एवं पशुपालन की किसान क्रेडिट कार्ड, एनिमल हसबेंडरी, आईटीआई की पीएम विश्वकर्मा योजना एवं विद्युत् विभाग की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शामिल है। इन योजनाओं की मॉनिटरिंग कर रहे नोडल अधिकारियों से कलेक्टर द्वारा शामिल योजनाओं के संबंध में एक एक कर विस्तार से चर्चा की गई है।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रदेश में विदिशा अव्वल

सिरोंज । विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा जिले में दर्ज होने वाले राजस्व प्रकरणो के निराकरणो पर विशेष जोर दिया जा रहा है के परिणाम सापेक्ष विदिशा जिला आरसीएमएस की जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में पहले स्थान पर है। गौरतलब हो कि विदिशा जिले में राजस्व के 92.88 प्रतिशत प्रकरणो का निराकरण किया गया है जबकि द्वितीय स्थान पर नीमच जिले में 90.46 वहीं तृतीय स्थान पर बैतूल जिले में 89.36 प्रतिशत राजस्व प्रकरणो का निराकरण किया गया है। विदिशा जिले में राजस्व के कुल 91982 प्रकरणो में से 85432 प्रकरणो का निराकरण किया गया है जिसमें चालू वर्ष के 76901 व चालू माह के 8531 प्रकरण शामिल है।

आचार्य श्री की आज नगर में होगी भव्य आगवानी

तेंदूखेड़ा। आचार्य श्री समय सागर जी महामुनिराज संसघ की आज नगर में भव्य आगवानी की जाएगी। भव्य आगवानी के लिए सकल जैन समाज के द्वारा भव्य तैयारियां की जा रही है। जगह जगह गेट वंधनवार एवं घरो के सामने रंगोलियां सजाई जा रही है। ज्ञात हो कि गुरूवार को आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के ससंघ की ग्राम हर्रई में अहारचर्या हुई। सामायक के वाद आचार्य श्री का हर्रई ग्राम से दोपहर 3 बजे विहार हुआ साथ ही रात्रि विश्राम ग्राम खेरा हुआ। सुबह लगभग 7 बजे नगर में आचार्य श्री की भव्य आगवानी बैंड गाजे बाजो के साथ की जाएगीं।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा विधिक जागरूकता शिविरो का आयोजन विभिन्न स्थलो पर किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि गुरूवार को शिशु गृह यशोदा एडाप्शन सेन्टर एवं बालिका सम्प्रेक्षण गृह में विधिक जागरूकता शिविर सह निरीक्षण के कार्यो को संपादन हुआ है।

जिला न्यायाधीश श्रीमती सुरेखा मिश्रा ने यशोदा एडाप्शन सेन्टर के कर्मचारियों को जेजे एक्ट के नियमो से अवगत कराया है वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री तोमर ने संस्था में बच्चो को उम्र के हिसाब से उनको खानपान देने एवं सही ढंग से देखभाल करने के संबंध में मार्गदर्शी निर्देश दिए है। इस दौरान शिशु गृह एडाप्शन सेन्टर एवं बालिका सम्प्रेक्षण गृह में संधारित विभिन्न पंजियों का भी न्यायाधीशगणो द्वारा अवलोकन किया गया और संधारण के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए है। इस अवसर पर शिशु गृह के प्रबंधक द्वारा अवगत कराया गया कि अभी दो बच्चे है जबकि अतिरिक्त बालिका सम्प्रेक्षण गृह में तीन बालिकाएं संरक्षण में पाई गई वहीं छह महीने से रह रही बालिका को उच्च न्यायालय द्वारा जमानत स्वीकार किए जाने पर उसे उसके परिजनो के सुपुर्द किया गया है। निरीक्षण भ्रमण के दौरान एलएडीसीएस श्री अनिमेष तिवारी तथा यशोदा एडाप्शन सेन्टर एवं बालिका सम्प्रेक्षण गृह के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहें।

महामाई मैया की रात्रि में होने वाली नित्य महाआरती में उमड़ रहा भक्तों का सैलाब

- आस्था के वशीभूत प्रतिदिन पहुंच रही है चुनरी यात्राएं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर से छह किलोमीटर दूर महामाई मंदिर पर इन दिनों श्रद्धा भक्ति और उत्सव का मिला जुला नजारा देखने को मिल रहा है। सुदूर जंगल के बीचों बीच ओंकार पहाड़ी पर बसी होने के कारण इस धार्मिक और सिद्ध स्थल को डाँग वाली मैया भी कहा जाता है। चैत्र नवरात्रि उत्सव के दौरान मैया के दरबार मे प्रतिदिन रात्रि साढ़े आठ बजे होने वाली संध्या आरती में धर्मलाभ लेने के लिए क्षेत्र और आसपास से हजारों श्रद्धालु एकत्रित हो रहें है। मंदिर के प्रधान पुजारी आचार्य पंडित नलिनीकांत शर्मा एवं उनके पुत्र पंडित सर्वेश शर्मा के श्रीमुख से संगीतमय रूप से होने वाली मैया की आरती ओर आराधना का इन दिनों विशेष महत्व रहता है। इसके अलावा भोर में चार बजे होने वाली मंगला आरती में भी श्रद्धालु सहभागिता करते है।पूरे नवरात्र में प्रतिदिन काफी संख्या में महिलाएं पैदल चलकर जल चढ़ाने मैया के दरबार में पहुंचती हैं

सबका कल्याण करने वाली नगर की आराध्य देवी महामाई और उनके दरबार मे महामाई सेवा समिति द्वारा श्रद्धालुओं को व्यवस्थित कतारबद्ध करके दर्शन कराने के लिए विशेष इंतजाम समिति एवं प्रशासन द्वारा किए गए है। रात्रि में होने वाली महाआरती का प्रतिदिन आस्था लाइव टीवी के माध्यम से लाइव प्रसारण करने की व्यवस्था भी समिति द्वारा की गई है। महामाई की पहाड़ी पर की गई आकर्षक विधुत सज्जा ओर समूचे रूप से की गई विशेष साज सज्जा के बीच श्रद्धालु परिवार के साथ पहुँचकर धर्म लाभ लेने के साथ मनोरंजन के लिए लगाए गए मेले में झूलों ओर खरीददारी का भी आनंद ले रहे है। विशाल स्तर पर फैले इस महामाई के मेले में श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए समिति द्वारा विशेष इंतजाम कर सदस्यों द्वारा प्रतिदिन उनका निरीक्षण एवं समीक्षा भी की जाती है।

श्रद्धाभाव के साथ भजन गाते हुए निकली चुनरी यात्रा

महामाई मंदिर परिसर में यहाँ की स्थानीय सेवा समिति के माध्यम से होने वाले आयोजनों के अलावा भी नगर एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों से मातारानी के भक्त भी अपनी श्रद्धा आस्था के अनुरूप आयोजन करते है। इसी श्रृंखला में विगत अनेक वर्षों से मां गौरी सेवा समिति द्वारा निकाली जाने वाली चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया। सामाजिक महिलाओ के द्वारा यह चुनरी यात्रा दोपहर चार बजे भूतेश्वर पथ स्थित मंदिर से महादेव की पूजा अर्चना उपरांत प्रारंभ हुई।

इस चुनरी यात्रा में माता को चढ़ाने साड़ियां भेंट की जाती है जिनको जोड़कर श्रद्धालुओं द्वारा गाजे बाजे के साथ धूमधाम से पदयात्रा करते हुए यह चुनरी यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई महामाई मंदिर पहुँची। यात्रा में शामिल महिला श्रद्धालुओं का नगर में जगह जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत भी किया गया। चुनरी यात्रा की संयोजक उषा शर्मा ने बताया कि महामाई मैया सब पर कृपा करने वाली हैं। परिवार की सुख शांति और उनका आशीर्वाद लेने के लिए हम सभी श्रद्धालु महिलाएं निरंतर इस चुनरी यात्रा धूमधाम से आयोजन करते हैं और मैया को सबके सहयोग से मिलने वाली चुनरियों को जोड़कर समर्पित करते हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ज्योति चौरसिया,राजश्री सिंहल,अंजलि कटियार, अंजली कटियार ,वंदना अग्रवाल,विनीता मित्तल ,रानी शर्मा, शोभा अग्रवाल, सहित महिलाएं शामिल थी।

मेट्रो एंकर | विधायक ने फीता काटकर पुस्तक मेला का शुभांरभ किया

किताबों एवं अन्य सामग्री पर मिलेगी न्यूनतम दस प्रतिशत तक की छूट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा अशासकीय विद्यालयों में संचालित किताबे व अन्य सामग्री अभिभावको व बच्चों को सुगमता से एक ही छत के नीचे प्राप्त हो इसके लिए जिला मुख्यालय पर तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है।

विदिशा विधायक मुकेश टण्डन ने फीता काटकर व सभी अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर पुस्तक मेले का शुभांरभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी व जनप्रतिनिधि साथ मौजूद रहें।

रविन्द्रनाथ टेगौर सांस्कृतिक भवन (आडिटोरियम) में आयोजित पुस्तक मेला में बुक सेलर स्टॉलो में संचालको द्वारा जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों का संयुक्त रूप से बुके भेंटकर स्वागत किया गया। अतिथियों के द्वारा भ्रमण कर स्टॉलो का जायजा लिया और जिला प्रशासन के द्वारा किए गए नवाचारो की प्रशंसा की है। गौरतलब हो कि पुस्तक मेला में दस विभिन्न बुक सेलरो के स्टॉल लगाए गए है जिन पर अशासकीय विद्यालयो की निर्धारित एनसीईआरटी पुस्तको के अलावा कॉपियां सहित शैक्षणिक सामग्री पर न्यूनतम दस प्रतिशत की छूट दी जा रही है। विधायक ने मीडिया से चर्चा करते हुए प्रशासन के द्वारा एक ही छत के नीचे इस प्रकार की कि गई व्यवस्थाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए सुझाव दिया कि बच्चों की ड्रेस, टाई, बेल्ट भी उपलब्ध कराने की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी ने प्रशासन के इस प्रकार के नवाचारो का बच्चों के अभिभावकगण अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने लगातार तीन दिन तक चलने वाले इस आयोजन की प्रशंसा अभिव्यक्त की है।

कलेक्टर ने मीडियाबंधुओं से संवाद करते हुए पुस्तक मेला आयोजन के उद्धेश्यों को रेखांकित करते हुए जानकारियां सांझा की। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जारी निर्देशो के अनुपालन में की जा रही पहल का सभी शैक्षणिक संस्थानो के साथ-साथ बुक सेलरो के द्वारा पूरा सहयोग किया जा रहा है। अब विदिशा जिले में यह शिकायत प्राप्त नहीं होगी कि अमूक स्कूल की किताबे एक ही किताब दुकान पर मिल रही है। पुस्तको के साथ-साथ अन्य सामग्री के विक्रय का विर्क्रेन्द्रीकरण किया गया है। पुस्तक मेला उक्त व्यवस्था का बेहतर प्रतीक साबित होगा। पुस्तक मेला के आयोजन संबंध में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिको के द्वारा जो भी विद्यार्थियों के हितेष में सुझाव दिए जाएंगे उन पर अमल किया जाएगा। प्रयास किया जा रहा है कि मेला में ही आवश्यक ड्रेसो, बेल्ट व टाई का भी स्टॉलो के माध्यम से विक्रय सुनिश्चित किया जा सकें।

इस अवसर पर विदिशा कृषि उपज मंडी व्यापार संघ के अध्यक्ष राधेश्याम महेश्वरी, राकेश शर्मा, राजेश जैन, जिला पंचायत सीईओ, डीपीसी के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी, कर्मचारी व बुक सेलर और उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सबसे तेज समय निकालने वाले चौथे भारतीय धावक बने सर्वेश कुशारे

कैलिफोर्निया में जीती ऊंची कूद स्पर्धा, अमरीका में किया शानदार प्रदर्शन

पर्थ, एजेंसी

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता सर्वेश कुशारे ने अमरीका के कैलिफोर्निया में अजुसा पैसिफिक यूनिवर्सिटी में आयोजित ब्रायन क्ले इनविटेशनल में पुरुषों के हाई जंप का खिताब जीता। सर्वेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को ग्रुप-ए में पहला स्थान हासिल किया और 2.19 मीटर के बार को पार किया। हालांकि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.27 मीटर है। पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में, परवेज खान 3.38.76 मिनट के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 12वें स्थान पर रहे। वह इस स्पर्धा में सबसे तेज समय निकालने वाले चौथे भारतीय धावक बने। इस बीच, परवेज खान ने 1500 मीटर में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ब्रायन क्ले इनविटेशनल एथलेटिक्स मीट में 12वां स्थान हासिल किया।

भारत के सर्वेश कुशारे ने दक्षिणी कैलिफोर्निया के अजुसा पैसिफिक यूनिवर्सिटी में आयोजित ब्रायन क्ले इनविटेशनल में पुरुषों की ऊंची कूद का खिताब जीतकर अपने सीज़न की शानदार शुरुआत की है। कुशारे, जो पिछले साल हांगझोउ में एशियन गेम्स में 2.26 मीटर के प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे थे, उन्होंने ग्रुप ए में पहला स्थान हासिल करने के लिए कैलिफोर्निया में 2.19 मीटर की ऊंची कूद दर्ज की। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 2.27 मीटर है, जो उन्होंने 2022 के अंत में दर्ज किया था। अमेरिका के एजे मैक्लॉफ्लिन 2.08 मीटर की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। तीसरा स्थान अमेरिकी कैस डोब्रोवोल्स्की, व्याट थिएल और कनाडा के एडेन ग्राउट के बीच साझा किया गया, जिन्होंने 2.03 मीटर की ऊंची कूद दर्ज की। टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता निशाद कुमार ने भी इस इवेंट में हिस्सा लिया और 1.98 मीटर की छलांग के साथ कॉम कॉटन, स्काई सिसकारोली और ओवेन पेनिंगटन के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रहे।

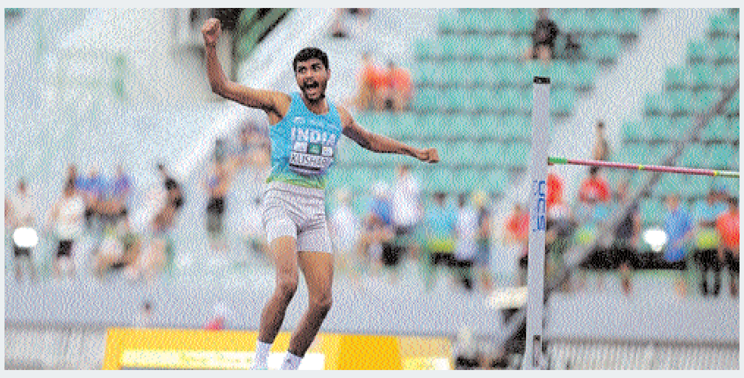

आईपीएल: हेड टु हेड में सुपरजायंट्स आगे

लखनऊ को अब तक उनके घर में नहीं हरा सकी मुंबई

लखनऊ, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 16वें मैच में आज लखनऊ सुपरजायंट्स का सामना मुंबई इंडियंस से होगा। मैच लखनऊ के होम ग्राउंड भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी, इकाना स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। एलएसजी और एमआई के बीच इस सीजन यह पहला मुकाबला होगा। दोनों टीमों का इस सीजन यह चौथा मैच रहेगा। लखनऊ को 3 मैच में 1 जीत और 2 हार मिली। मुंबई को भी 3 मैचों में 1 ही जीत मिली।

मुंबई पर लखनऊ भारी

लखनऊ और मुंबई के बीच आईपीएल में 6 मैच खेले गए। 5 में लखनऊ और महज 1 में मुंबई को जीत मिली। लखनऊ में दोनों टीमें दो बार आमने-सामने हुईं। दोनों बार लखनऊ को ही जीत मिली। मुंबई को लखनऊ के खिलाफ इकलौती जीत 2023 सीजन के एलिमिनेटर में मिली थी।

पूरन ने रस्त के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए

निकोलस पूरन इस सीजन रस्त के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वे 2 फिफ्टी और एक मैच में 44 रन बना चुके हैं। वहीं रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किए गए शार्दूल ठाकुर लखनऊ के टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने 3 मैचों में 6 विकेट झटके हैं।

गेंदबाज अश्वनी फॉर्म में

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टीम के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 3 मैचों में 104 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने आखिरी मैच में कोलकाता के खिलाफ 9 गेंदों में नाबाद 27 रन की पारी खेली थी। वहीं गेंदबाज अश्वनी कुमार मुंबई के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर हैं। उन्होंने अपने आखिरी और एकमात्र मैच में कोलकाता के खिलाफ 3 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट झटके थे। लखनऊ के इकाना स्टेडियम की पिच बॉलिंग-फ्रेंडली है। यहां स्पिनर को ज्यादा मदद मिलती है। यहां लो स्कोरिंग मैच देखने को मिले हैं। इस स्टेडियम में कुल 15 आईपीएल मैच खेले गए। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 7 और पहले बॉलिंग करने वाली टीम ने भी 7 मैच जीते। 1 मैच रद्द भी हुआ। ग्राउंड का हाइएस्ट टीम स्कोर 235/6 है, जो कोलकाता नाइट राइडर्स ने पिछले साल लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ बनाया था। लखनऊ में शुक्रवार को तेज धूप और गर्मी रहेगी, हवा भी तेज रहेगी। हवा की रफ्तार 15 किमी प्रति घंटा रहेगी। यहां का तापमान 21 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

पॉसिबल प्लेइंग-12

लखनऊ सुपरजायंट्स-ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), ऐडन मार्करम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, दिग्वेश राठी, डेविड मिलर, अब्दुल समद, रवि बिश्नोई, शार्दूल ठाकुर, आवेश खान, एम सिद्धार्थ।

मुंबई इंडियंस-हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), विल जैक्स, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, नमन धीर, मिचेल सैंटनर, दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट, अश्वनी कुमार, विग्नेश पुथुर।

बिली जीन किंग कप: भारत, न्यूजीलैंड से हार कर बिले जीन किंगकप के ग्रुप एक में रहेगा

भारत तीसरे स्थान पर, चीन व दक्षिण कोरिया ने विश्व प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया

पेरिस, एजेंसी

भारतीय महिला टेनिस टीम एशिया ओशिनिया ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहकर 2024 बिली जीन किंग कप प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही। भारत अपने आखिरी मैच में न्यूजीलैंड टीम से 2-1 से हार गई। एशिया/ओशिनिया ग्रुप का आयोजन पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में स्थित चांग्शा शहर के वे मून आइलैंड क्ले पार्क में, 12- 13 अप्रैल को किया था। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना अहम मुकाबला हार गई। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में वर्ल्ड नंबर 379 रैंक की भारतीय खिलाड़ी रुतुजा भोसले ने पहले सिंगल्स में न्यूजीलैंड की मोनिक बैरी को हराया। हालांकि, वर्ल्ड नंबर 255 की अंकिता रैना वर्ल्ड नंबर 169 लुलु सन के खिलाफ सिंगल्स मैच हार गईं। अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बारे की जोड़ी अपना युगल मैच, न्यूजीलैंड की जोड़ी एरिन राउटलिफ और पेगे होरिगन से हार गईं। इस हार के साथ, भारत की विश्व प्ले-ऑफ में आगे बढ़ने की संभावनाएं खत्म हो गईं।

मेट्रो बाजार

टेस्ला कारों में लगेंगे टाटा के चिप!

नईदिल्ली, एजेंसी

आप इस खबर से तो वाकिफ होंगे ही कि टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में सेमीकंडक्टर चिप की फैक्ट्री लगा रहा है। अब खबर आई है कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने चिप की सप्लाई के लिए अमरीकी कंपनी टेस्ला के साथ करार किया है। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में सेमीकंडक्टर फैक्ट्री लगा रही है। टेस्ला की कारों में टाटा के चिप सुन कर थोड़ा अविश्वसनीय लग रहा है ना? लेकिन संकेत तो ऐसे ही मिल रहे हैं। ऐसी खबर मिली है कि टेस्ला ने अपने ग्लोबल ऑपरेशन में उपयोग होने वाले सेमीकंडक्टर चिप्स खरीदने के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ एक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सेमीकंडक्टर बिजनस में टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स महत्वपूर्ण निवेश कर रहा है। इसी के बाद टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टेस्ला के बीच यह समझौता हुआ है। यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे टाटा को शीर्ष स्तरीय वैश्विक ग्राहकों के लिए एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित होने का अवसर मिलेगा। साथ ही सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में भारत का भी नाम जुड़ जाएगा। इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर की प्रमुख अमेरिकी कंपनी टेस्ला दुनिया के सबसे तेजी से विस्तार करने वाले प्रमुख ऑटोमोटिव बाजार भारत में प्रवेश करने के लिए उत्सुक है। टेस्ला के प्रमोटर एलन मस्क कथित तौर पर इस महीने भारत आ रहे हैं।

जैकब डफी आईसीसी के टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंचे

पेरिस, एजेंसी

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी आईसीसी के टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। डफी ने पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। डफी ने नंबर-1 का ताज वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के स्पिनर अकील होसेन को हटा कर हासिल किया है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में 5 विकेट झटके थे और अपनी टीम को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। डफी ने चार पायदान का छलांग लगाया है। उनके 723 अंक हो गए हैं। वहीं अकील दूसरे स्थान पर हैं। उनके 714 अंक हैं। भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती (706 रेटिंग) को भी एक स्थान का नुकसान हुआ है और अब वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। इंग्लैंड के आदिल रशीद, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा भी एक-एक पायदान नीचे लुढ़क गए हैं। रशीद चौथे पर जबकि हसरंगा पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं। जम्पा छठे नंबर चले गए हैं। इसके बाद नंबर-7 से लेकर नंबर-10 के गेंदबाजों की पॉजिशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज में लिए 13 विकेट: डफी ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए पांच टी-20 मैचों की सीरीज में 13 विकेट लिए। जिसमें एक मैच में उन्होंने 14 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं न्यूजीलैंड ने सीरीज को 4-1 से जीता। डफी 2018 के बाद टी-20 में टॉप रैंकिंग पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड गेंदबाज बन गए हैं। 2018 में ईश सोढ़ी ने टी-20 में टॉप पर पहुंचे थे। डफी 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना टी-20 डेब्यू किया। उन्होंने अब तक खेले 23 मैचों में 32 विकेट लिए हैं।

टिम सेफर्ट को बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच स्थान का फायदा: बल्लेबाजी रैंकिंग में न्यूजीलैंड के बैटर टिम सेफर्ट को पांच स्थान का फायदा मिला है। वह 8वें स्थान पर पहुंच गए है। सेफर्ट ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच मैचों में 62.25 की औसत से कुल 249 रन बनाए। सेफर्ट ने पांचवें टी-20 में 129 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 97*रन की पारी भी खेली।

इंडियन ओवरसीज ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरें बढ़ाई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार सातवीं बार अपने रेपो रेट में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है. ऐसे में रेपो रेट फिलहाल 6.50 फीसदी पर बनी हुई है. रेपो रेट में किसी तरह का बदलाव न होने पर भी बड़े सरकारी बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक ने कुछ चुनिंदा अवधि की एफडी स्कीम की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है. इंडियन ओवरसीज बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक बैंक ने कुछ अवधि की एफडी स्कीम की ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी का फैसला किया है. यह बढ़त 2 करोड़ रुपये से कम की एफडी स्कीम पर की गई है. नई दरें सोमवार 15 अप्रैल 2024 से लागू हो गई है. ऑफिशियल वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक बैंक 444 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम चला रहा है. इस स्कीम पर बैंक ग्राहकों को 2 करोड़ रुपये से कम डिपॉजिट राशि पर अधिकतम 7.30 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है. वहीं सीनियर सिटीजन को इस स्कीम पर अतिरिक्त 0.50 फीसदी ब्याज दर का लाभ मिल रहा है. वहीं सुपर सीनियर सिटीजन यानी 80 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों को 0.75 फीसदी ब्याज दर का लाभ मिल रहा है. इंडियन ओवरसीज बैंक अपने ग्राहकों को 7 दिन से लेकर 3 साल और उससे अधिक अवधि के लिए एफडी स्कीम ऑफर कर रहा है, बैंक सामान्य ग्राहकों को 7 से 14 दिन की एफडी स्कीम पर 4.00 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है.

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

परिणीति चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर गाया गाना

बोलीं- चमकीला ने दिया बॉलीवुड में कमबैक का मौका

निर्देशक इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी फिल्म 'चमकीला' की सफलता की कहानी आम लोगों से लेकर बॉलीवुड हस्तियों के जुबान पर चढ़ी हुई थी। फिल्म को लेकर लगातार कोई ना कोई बॉलीवुड अभिनेता अपनी राय सोशल मीडिया पर शेयर कर रहा था। इस फिल्म में परिणीति चोपड़ा और दिलजीत दोसांझ के अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी। इसी से बॉलीवुड में परिणीति की वापसी हुई है। कार्तिक आर्यन के अलावा भी कई बॉलीवुड हस्तियों ने फिल्म को पसंद किया और फिल्म को लेकर अपनी राय सोशल मीडिया साइट पर साझा की थी। फिल्म 'चमकीला' पंजाब के मशहूर सिंगर अमर सिंह चमकीला पर बनी एक बायोपिक फिल्म है। इसका निर्देशन इम्तियाज अली ने किया है।

परिणीति की सोशल मीडिया पर खास पोस्ट

फिल्म में इन दोनों ही अभिनेताओं ने बेहतरीन अभिनय के साथ गाने भी गाए थे। बॉलीवुड के उन सभी कलाकारों का शुक्रिया अदा करते हुए परिणीति ने भी एक खास पोस्ट अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। परिणीति ने फिल्म का ही गाना 'ललकारे नाल' गाकर अपनी खुशी का इजहार किया। आगे परिणीति ने लिखा, आप सभी के ढेर सारे प्यार के लिए धन्यवाद। इस पोस्ट से पहले भी परिणीति चोपड़ा ने फिल्म 'चमकीला' को लेकर एक और पोस्ट साझा किया था। परिणीति ने अपने सोशल मीडिया साइट में फिल्म की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा था, कम्बल में दुबकी हुई हूं। आपके शब्दों, फोन और फिल्म समीक्षाओं से अभिभूत हूं। (आंसू रुक नहीं रहे हैं)। परिणीति वापस लौट आई। यह शब्द मेरे कानों में जोर-जोर से गूंज रहे हैं। इस बार में कभी नहीं सोचा था। जी हां मैं वापस आ गई हूं, और अब कहीं नहीं जा रही हूं...।

वेबसीरीज खाकी के सेट पर घबरा गई थीं एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह

चित्रांगदा सिंह की खाकी- द बंगाल चैप्टर वेब सीरीज हाल ही में रिलीज हुई। सीरीज के रिलीज होने के बाद एक्ट्रेस ने शूटिंग के कुछ किस्से शेयर किए। उन्होंने कहा कि वह शूटिंग के समय 400 लोगों के सामने काफी नर्वस फील कर रही थीं। चित्रांगदा सिंह ने सेट के किस्से शेयर करते हुए कहा कि कुछ मोमेंट ऐसे हैं, जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएंगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए चित्रांगदा ने बताया, 'एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा चैलेंजिंग किरदारों को चुनती हूं। नॉर्मल किरदार निभाना कॉमिक बुक जैसा लगता है।' चित्रांगदा ने कहा कि निवेदिता बसाक की भूमिका निभाना मुश्किल था। एक स्पेशल सीन को करते हुए एक्ट्रेस को काफी घबराहट हुई। उन्होंने कहा, फिल्म के सेट पर मुझे करीब 400 लोगों के सामने भाषण देना था। इस सीन को विक्टोरिया मेमोरियल के ठीक सामने एक बड़े मैदान में शूट किया गया था। मैंने डायरेक्टर के साथ वैन में अपने भाषण की प्रैक्टिस की। लेकिन जैसे ही मैं स्टेज पर चढ़ी और %रेडी टू रोल% सुना, मुझे काफी घबराहट होने लगी और मैं कुछ सेकंड के लिए फ्रिज हो गई थी। हालांकि, भीड़ की एनर्जी ने मुझे आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया। यह मोमेंट मुझे हमेशा याद रहेगा।' खाकी- द बंगाल चैप्टर' नेटफ्लिक्स पर हिंदी और बंगाली में एक साथ स्ट्रीम होने वाली पहली हिंदी सीरीज है। इसमें चित्रांगदा सिंह, निवेदिता बसाक की भूमिका में नजर आ रही हैं। इनके अलावा जीत मदनानी, प्रोसेनजीत चटर्जी, परमब्रत चटर्जी भी लीड रोल में हैं।

अभिनेत्री नोरा फतेही! फिल्मी पर्दे पर दिखाना चाहती हैं अपनी कहानी

नोरा फतेही बॉलीवुड का एक ऐसा नाम बन चुकी हैं, जो किसी पहचान की मोहताज नहीं। अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही ने भारतीय सिनेमा में एक डांसर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की। अभिनेत्री अपने डांस के लिए तो मशहूर हैं ही, लेकिन अब उनकी अदाकारी को भी दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस 'मडगांव एक्सप्रेस' और 'क्रैक' में नजर आई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री नोरा फतेही ने अपनी कहानी को फिल्मी पर्दे पर दिखाने की इच्छा जाहिर की है।

बॉक्स ऑफिस अंक नहीं रखता मायने

नोरा ने एक साक्षात्कार में बताया कि उन्होंने अपने जीवन की कहानी को फिल्मी पर्दे पर दिखाने की इच्छा भी जाहिर की। फिल्मों के प्रदर्शन को लेकर नोरा ने कहा कि बॉक्स ऑफिस अंक उनके लिए उतना मायने नहीं रखता। वह इस समय अपना ध्यान अपनी लाइफ जर्नी पर केंद्रित कर रही हैं।

फिल्म की असफलता पर अच्छा महसूस करती हैं नोरा

बातचीत के दौरान नोरा ने खुलकर कहा, 'कई बार लोग 'क्रैक' के अच्छा प्रदर्शन ना करने के बारे में मुझसे पूछते हैं कि मैं कैसा महसूस करती हूं? मैं उनसे कहती हूं 'मैं बहुत अच्छा महसूस करती हूं।' मैं इंडस्ट्री में बड़े नंबर्स के लिए नहीं आई हूं। मैं बॉक्स ऑफिस अदाकारा नहीं हूं।'

आईएएस के बंगले के बाहर ड्यूटी कर रहे गार्ड की मौत

भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित डी3/10 के सामने बुधवार सुबह निजी एजेंसी के गार्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दरअसल, गार्ड नौकरी कर रहा था और एकाएक चक्कर खाकर गिर गया। पास ही अन्य बंगले पर गार्ड की ड्यूटी कर रहा रिश्तेदार उसे लेकर जय प्रकाश अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। अचानक चक्कर आने पर बेसुध होकर गिर गया था गार्ड अनुमान है कि गार्ड की मौत हार्ट अटैक से हुई है। एसआई कमल सिंह चौहान ने बताया कि रघुवीर चौधरी पिता दशरथ चौधरी (47) नर्मदा भवन के पास रहता था और राय सिक्यौरिटी एजेंसी में नौकरी करता था। बुधवार को वह चार इमली में डी-3/10 बंगले के बाहर ड्यूटी कर रहा था। सुबह करीब 8 बजे के आसपास उसे अचानक चक्कर आया और वह गिर गया। पास ही बंगले पर ड्यूटी कर रहे उसके जीजा ने भी उसे तड़पते हुए देखा और जय प्रकाश अस्पताल ले गया। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद रघुवीर को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि डी-3/10 आईएएस बैस रहते हैं।

मूकबधिर नव विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित इब्राहिमगंज में मूकबधिर नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। गुरुवार को उसका पीएम कराया जाएगा। प्रारंभिक जांच में पता चला कि उसकी पति से अनबन होती थी। नहीं मिला सुसाइड नोट, साइन एक्सपर्ट के समक्ष होंगे बयान पुलिस के अनुसार श्रावणी सावली पति राकेश पंथी (35) इब्राहिमगंज में रहती थी। उसकी शादी 2020 में राजेश पंथी से हुई थी। राजेश पंथी भी मूकबधिर है। परिजन ने बताया कि श्रावणी ने गुरुवार दोपहर अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद श्रावणी को मृत घोषित कर दिया। एसआई अमित भदौरिया ने बताया कि मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी को सौंपी गई है। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में पति पत्नी के बीच विवाद की बात सामने आई है, ससुराल पक्ष का कहना है कि वर्ष 2020 में शादी हुई थी, लेकिन अभी प्रमाण नहीं दे सके हैं। पूरा परिवार है मूकबधिर पुलिस ने बताया कि सावली का पति राकेश पंथी और उनके दो बच्चे मूकबधिर है।

ठेकेदार पति ने पत्नी को तीन तलाक कहकर खत्म किए संबंध

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में ठेकेदार द्वारा पत्नी को तीन बार तलाक कहकर उससे संबंध विच्छेद करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी ठेकेदार पर मुस्लिम विवाह संरक्षण अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ईदगाह हिल्स निवासी 47 साल की महिला गृहणी है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया वर्ष 2005 में उनकी शादी ईदगाह हिल्स निवासी वहीद उल्ला से हुई थी। वहीद ठकेदारी करते हैं। लंबे समय तक दोनों में सबकुछ ठीक चला, लेकिन वर्ष 2022 से विवाद होने लगे। विवाद होने के कारण पीड़िता को वहीद प्रताड़ित करने लगा और उसके साथ मारपीट करने लगा। पीड़िता ने बताया कि उनकी एक बच्ची है, लेकिन पति घर पर ध्यान नहीं देता है। इसी को लेकर दोनों में विवाद बढ़ने लगा।

बच्चों के साथ अंधे बनकर रेकी करते थे युवक-युवती, मौका मिलते करते थे चोरी

कटनी से आकर कॉलोनियों की रेकी कर खुले मकान से चुराते थे मोबाइल

महिला और उसके साथी से चोरी के 16 मोबाइल बरामद

छह मोबाइल बागसेवनिया, गोविंदपुरा से दो और अन्य आठ मोबाइल अलग-अलग जगह से चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया पुलिस ने एक महिला और उसके साथी को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के 16 मोबाइल जब्त किए है। जब्त 16 मोबाइल की कीमत 2 लाख 70 हजार रुपए बताई जा रही है। इन मोबाइलों में छह मोबाइल बागसेवनिया, दो मोबाइल गोविंदपुरा और बाकि के आठ मोबाइल अलग-अलग इलाकों से चोरी किए गए थे। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि वह कटनी से ट्रेन के माध्यम से भोपाल आते थे और कॉलोनियों में रैकी करने के बाद खुले मकान से मोबाइल चुराकर कटनी लौट जाते थे। आरोपी रैकी करने के लिए बच्चों का सहारा लेते थे और अंधे बनने का नाटक भी करते थे।

पुलिस के अनुसार नारायण नगर निवासी, अंशुल कुमार गौर ने शिकायत करते हुए बताया कि 31 मार्च की सुबह करीब साढ़े 9 बजे वह अपने कमरे में दो मोबाइल क्रमश- आईफोन 11 और वन प्लस नोर्ड को चार्जिंग में लगाकर बाथरूम में गए थे। वहां से कमरे में लौटे तो दोनों मोबाइल टेबल पर नहीं थे। मेरा मोबाइल किसी अजात व्यक्ति ने चोरी कर लिया था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले। इसके बाद टीम बनाकर आरोपियों की तलाश की। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हबीबगंज नाका ब्रिज के पास एक महिला व एक युवक मोबाइल बेचने की फिराक में घूम रहे हैं। संदेह के आधार पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया। उन्होंने अपने नाम कमलेश मोदी पिता कौआ मोदी (22) कटनी रेलवे स्टेशन के पास ब्रिज के नीचे और काजल मोदी पति प्रताप मोदी (27) कटनी रेलवे स्टेशन ब्रिज के नीचे कटनी बताया। पूछताछ में दोनों ने बागसेवनिया इलाके से छह मोबाइल और गोविंदपुरा से दो मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया। इसके अलावा आठ अन्य मोबाइल अलग अलग थाना क्षेत्रों से चुराने की बात स्वीकारी। आरोपियों ने बताया कि वह कटनी से ट्रेन के माध्यम से भोपाल आते थे और सुबह के समय कालोनियों में घूमकर रैकी करते थे।

जिन मकानों का दरवाजा खुला दिखता उसमें घुस जाते थे और मोबाइल उठाकर निकल जाते थे। चोरी के बाद आरोपी ट्रेन अथवा बस केक माध्यम से कटनी चलते जाते थे।

अंधे बनने का नाटक

आरोपी छोटे बच्चों के साथ रैकी करने पहुंचते थे। वे खुद को अंधा बताते थे और अंधे बनने का नाटक करते हुए घरों में घुस जाते थे। जिन घरों में कोई नहीं दिखता था उन घरों से मोबाइल उठाकर फरार हो जाते थे।

रेलवे स्टेशन के पास से मीडियाकर्मी का मोबाइल झपटा

भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बाहर रेपिडो बुक कर रहे मीडियाकर्मी से अज्ञात बदमाश ने मोबाइल झपट लिया। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही बदमाश मौके से भाग निकला। मीडियाकर्मी ने घटना की शिकायत हबीबगंज थाने में दी है। हबीबगंज पुलिस ने शिकायती आवेदन लेने के बाद जांच का हवाला देकर मीडियाकर्मी को थाने से चलता कर दिया। जानकारी के अनुसार आकाश त्रिपाठी रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के मॉल में संचालित होने वाले डिजीटल प्लेटफार्म में नौकरी करते हैं। उन्होंने हबीबगंज पुलिस को शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि बुधवार रात दफ्तर से छूटने के बाद वे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बाहर मुख्य सड़क पर पहुंचे और मोबाइल से रेपिडो बुक करने लगे। इसी बीच एक बदमाश आया और उन्हें धक्का देकर उनका मोबाइल छीनकर फरार हो गया। धक्का लगने से वह गिर गए थे। जब तक वह उठते बदमाश तेजी भागकर निकल गया। झपटे गए मोबाइल की कीमत 30 हजार रुपए बताई जा रही है। एएसआई संतोष मरकाम ने बताया कि शिकायती आवेदन ले लिया गया है। जांच की जा रही है।
जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मायके आई महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

कहा-चीटियां काट रही हैं, तबीयत बिगड़ने पर परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे तो हो चुकी थी मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कान्हासैंया इलाके में मायके आई महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात महिला ने अपनी मां से कहा कि उसे चीटियां काट रही हैं। इसके बाद तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे पटेल नगर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। हमीदिया पहुंचने पर डॉक्टर ने चेक करने के बाद महिला को घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण पता चल सकेंगे।

पुलिस के अनुसार कान्हासैंया बिलखिरिया निवासी मोना (42) का विवाह दामखेड़ा बैरसिया में रहने वाले प्रेमनारायण से हुआ था। पिछले कुछ दिनों से मोना अपने मायके आई हुई थी। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे मोना ने अपनी मां से कहा कि उसके शरीर पर चीटियां काटने जैसा महसूस हो रहा है। देखते ही देखते उसकी हालत और बिगड़ गई। परिजन उसे फौरन पटेल नगर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से हमीदिया अस्पताल भेज दिया गया। परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रिटायर्ड सूबेदार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सेना के रिटायर्ड सूबेदार की अचानक तबियत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक इंदिरा आश्रय कॉलोनी करोंद निवासी विनय किशोर त्रिपाठी भारतीय सेना से सूबेदार पद से दिसंबर 2021 में रिटायर हुए थे। उनकी पत्नी पुणे में प्रोफेसर हैं जबकि बच्चे बैंग्लुरु में पढ़ाई कर रहे हैं। विगत एक अप्रैल की रात करीब 11 बजे अचानक विनय किशोर की तबियत खराब हो गई। लगातार उल्टियां होने के बाद वह बेहोश हो गए थे। पिता समेत अन्य परिजन उन्हें बैरागढ़ के मिलिट्री अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां परीक्षण के बाद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई थी। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। अनुमान लगाया जा रहा है कि मौत हृदयघात के चलते हुई है।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों के बीच विवाद, तलवार से किया हमला

विवाद में एक युवक के हाथ की अंगुली कटी, काउंटर प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित ईश्वर नगर में दो परिवार के बीच विवाद हो गया। विवाद के बाद दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। दोनों परिवार के बीच पहले हुए विवाद के बाद से ही रंजिश चल रही थी। रंजिश और विवाद के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर एक आरोपी को जेल भेज दिया था। जमानत पर जेल से छूटने के बाद आरोपी ने फरियादी के घर जाकर गाली-गलौज कर दी। फरियादी शिकायत लेकर थाने पहुंचा तो दूसरे पक्ष के लोग भी थाने पहुंच गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर प्रकरण दर्ज किया था। बुधवार रात थाने से जब एक पक्ष के लोग घर पहुंचे तो दूसरे पक्ष ने तलवारों से हमला कर दिया। हमले एक युवक के हाथ की ऊंगली कट गई। हमलावरों ने गाड़ियों में भी तोडफोड़ की है।

जानकारी के मुताबिक ईश्वर नगर निवासी राजेन्द्र राजपूत (41) अपने घर के नीचे किराने की दुकान चलाते हैं। उनका कहना है कि घर के सामने रहने वाले सागर राजपूत और बादल राजपूत उनकी दुकान से बिना पैसों के सामान मांगकर ले जाते हैं। वे अड़ीबाजी करते थे। कई बार सामान के अलावा पैसों की अड़ीबाजी भी की। इसी बात को लेकर कुछ दिन पहले उनके बीच विवाद हुआ था। पुलिस ने राजेन्द्र राजपूत की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर बादल राजपूत को जेल भेज दिया था। दो दिन बाद वह जमानत पर बाहर आ गया और बुधवार को दोनों पक्षों के बीच फिर विवाद हो गया। एक बार फिर मामला थाने पहुंचा। दोनों पक्षों पर उभयपक्षीय प्रकरण दर्ज किए।

मेट्रो एंकर 7वीं वाहिनी के 76वें स्थापना दिवस का तीसरा दिन

जोश, उमंग और उत्साह का अद्भुत संगम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

7वीं वाहिनी के 76वें स्थापना दिवस का तीसरा दिन उत्साह, उमंग एवं जोश से भरपूर रहा। इस विशेष अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें जवानों और उनके परिवारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।इस अवसर पर फुटबॉल फाइनल मुकाबले का आयोजन मुख्य अतिथि उप पुलिस महानिरीक्षक (विसबल), मध्य क्षेत्र युसूफ कुरैशी और सेनानी 23वीं वाहिनी कुमार प्रतीक की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। इस रोमांचक मैच ने सभी दर्शकों का उत्साह बढ़ाया तथा खेल के प्रति जोश जगाया। पुलिस परिवारों के लिए मनोरंजन मौका सेनानी महोदय हितेश चौधरी ने भी इकाई के अधिकारी-कर्मचारियों के बच्चों के साथ समय व्यतीत किया तथा उनके साथ संवाद स्थापित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस आत्मीय एवं प्रेरणादायक पहल से बच्चों को प्रोत्साहन मिला एवं आयोजन का वातावरण और अधिक उल्लासमय हो गया। इस आयोजन की विशिष्टता यह रही कि इकाई के पुलिसकर्मियों के परिवारों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के फन गेम्स का आयोजन किया गया। इन खेलों ने बच्चों में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया, साथ ही परिवारों को सामूहिक आनंद और सौहार्दपूर्ण वातावरण में समय व्यतीत करने का अवसर प्रदान किया। टीम वर्क और ताकत का जोरदार प्रदर्शन 76वें स्थापना दिवस के अग्रिम क्रम में रस्सा-कसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसने इकाई के अधिकारी-कर्मचारियों की टीम वर्क, सामूहिक शक्ति और शारीरिक क्षमता की परीक्षा ली गई। इस प्रतियोगिता में इकाई के अधिकारी एवं कर्मचारी पूरे जोश और उमंग के साथ शामिल हुए, जिससे माहौल रोमांच और ऊर्जा से भर गया। बलवा ड्रिल अभ्यास- अनुशासन और तत्परता की मिसाल कानून व्यवस्था को सुदृढ़ता प्रदान करने के लिए बलवा ड्रिल के अभ्यास का आयोजन किया गया, जिसमें वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों ने अपनी रणनीतिक दक्षता और सामूहिक तालमेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसका उद्देश्य पुलिस बल की आपातकालीन स्थितियों से निपटने की क्षमता और संकट प्रबंधन कौशल को और अधिक मजबूत करना था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022